महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

कुछ दर्द खामोश कर देते है साहब, वरना मुस्कुराना कौन नहीं चाहता

वर्ष : 16 अंक : 320 | उज्जैन, शनिवार 02 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार नहीं कर सकते, सरकार ने दिए संकेत

नई दिल्ली/ जीएनएस। मिडिल ईस्ट संकट के बीच पेट्रोल-डीजल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। TOI ने एक सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है ऐसे में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव न करने से सरकार को नुकसान बढ़ सकता है। बता दें इस हफ्ते के अंत में कच्चे तेल की कीमत चार साल के अपने सबसे उच्चतम स्तर 126 स डॉलर प्रति बैरल तक चली गई है, हालांकि इसमें बाद में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई लेकिन यह काफी नहीं है। सरकारी सूत्र के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में निकट भविष्य में बढ़ोतरी की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता। तेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पिछले सप्ताह बताया था कि पेट्रोल पर प्रति लीटर लगभग 20 रुपये और डीजल पर करीब 100 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों ने इससे पहले पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग खत्म होने के बाद प्रति लीटर 25-28 रुपये की कीमत में वृद्धि की संभावना जताई थी। दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सप्ताह कच्चा तेल चार साल के उच्चतम स्तर 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, हालांकि बाद में थोड़ी गिरावट आई लेकिन यह 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना हुआ है। इस महीने औसत कीमत 114 डॉलर से अधिक रही, जबकि पिछले साल यह 70 डॉलर के आसपास थी। अमेरिका-ईरान संघर्ष और हार्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर पाबंदी के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर पड़ा है। सरकारी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी, औद्योगिक डीजल और जेट फ्यूल की कीमतें बढ़ा दी हैं, लेकिन आम उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढीं हैं।

हरियाणा का हर गांव बनेगा मॉडल, मनोहर लाल का बड़ा एलान

करनाल/ जीएनएस। ग्रामीण विकास को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने करनाल प्रवास के दौरान बड़ा रोडमैप प्रस्तुत किया। पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिले के 40 गांवों को माडल गांव के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रशासनिक अधिकारियों, सरपंचों और गांव के मौजिज व्यक्तियों के साथ अलग-अलग तीन अहम बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के साथ पंचायतों की आय बढ़ाने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मनोहर लाल ने स्पष्ट किया कि ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के अलावा सांसद निधि, विधायक निधि और सीएसआर फंड के माध्यम से भी संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे, ताकि अगले पांच वर्षों में गांवों की मूलभूत जरूरतें पूरी की जा सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी, समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ हो। समीक्षा बैठक में जहां चल रहे कार्यों की प्रगति का आकलन किया गया, वहीं जो परियोजनाएं शुरू नहीं हो पाई हैं, उनकी बाधाओं को भी चिन्हित कर समाधान के निर्देश दिए गए। उन्होंने पंचायतों को अपना वार्षिक बजट तैयार करने और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि चयनित 40 गांवों में ग्राम सचिवालय, व्यायामशाला, शिवधाम, फिरनी, स्ट्रीट लाइट, स्कूलों में अतिरिक्त कमरे, चारदीवारी, शौचालय, ई-लाइब्रेरी, तालाब और सीवरेज जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

बरगी क्रुज़ दुर्घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा : मुख्यमंत्री

नागरिकों की जान बचाने और सहयोग देने वाले प्रत्येक श्रमिक को दिए जाएंगे 51-51 हजार रूपए

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर जिले के बरगी में हुए क्रूज़ दुर्घटना पर गहन शोक व्यक्त कर इसे दुर्भाग्यपूर्ण और अत्यंत पीड़ादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार प्रत्येक पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में लापरवाही करने वाले दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। क्रूज पायलट महेश पटेल, हेल्पर छोटेलाल गोंड और टिकट काउंटर प्रभारी बृजेन्द्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। होटल मैकल रिसार्ट और मैनेजर बोट क्लब बरगी सुनील मरावी को लापरवाही के लिये निलंबित कर दिया गया है। साथ ही रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्र को मुख्यालय अटैच कर विभागीय जांच संस्थित कर दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना के दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जायेगा। पीड़ित परिवारों की सरकार हरसंभव सहायता करने के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने व्यथित मन से कहा कि जिन परिजनों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उसकी भरपाई संभव नहीं है। कठिन समय में पीड़ितों के परिजन खुद को कतई अकेला न समझें। सरकार की ओर से सहायता राशि दी जा रही है। शासन-प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि दुःख की इस घड़ी उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को जबलपुर के बरगी में घटनास्थल का मौका मुआयना करने और पीड़ित परिवारों से मिलने के बाद स्थानीय मीडिया को संबोधित करते हुए यह बातें कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना के हर पहलू की गहनता से जांच के लिये उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की जा रही है। समिति में महानिदेशक होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा, सचिव मध्यप्रदेश शासन, आयुक्त जबलपुर संभाग शामिल किए गए हैं। यह समिति तीन बिंदुओं पर दुर्घटना की बारीकी से जांच करेगी, जिसमें दुर्घटना के कारण, क्रूज संचालन के नियम सहित अन्य जरूरी जानकारियां भी जुटाई जाएंगी। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी, जिससे कि भविष्य में इस तरह की दुःखद घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पर्यटन विभाग के माध्यम से क्रूज संचालन से जुड़ी एसओपी तैयार की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहत और बचाव कार्य में जुटे श्रमिकों को प्रोत्साहन स्वरूप 51-51 हजार रुपए की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बचाव दल के सभी बहादुरों को राज्य सरकार सार्वजनिक रूप से सम्मानित करेगी। रेस्क्यू टीम की जीवटता और कर्मठता से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जीवित बचाया जा सका है। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। क्रूज बोट को खींचकर किनारे पर लाया गया है। कुछ लोग अभी लापता हैं, जिनकी हरसंभव तरीकों से तेजी से तलाश की जा रही है। जल्द ही सभी को रेस्क्यू कर लिया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रूज हादसे में पीड़ित परिवारों के निवास पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना के बारे में बताया कि जबलपुर के बरगी डैम में गुरुवार को हुए दुःखद हादसे में 9 लोगों की असमय मृत्यु हो गई। रेस्क्यू टीम ने तत्परता से कार्रवाई कर 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हादसे से पूरा प्रदेश स्तब्ध है। क्रूज हादसे के दौरान डैम के पास जल जीवन मिशन का कार्य चल रहा था, जिससे तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू हो पाया। सूचना मिलते ही लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी और जबलपुर सांसद श्री आशीष दुबे तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गए थे। साथ ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने तत्परता से यहां राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। उप-मुख्यमंत्री और जबलपुर जिले के प्रभारी श्री जगदीश देवड़ा भी लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन में भारतीय सेना के गोताखोरों की भी मदद ली गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि क्रूज़ में 4 से 5 घंटे तक पानी में फंसे रहे पीड़ित श्री रियाज को रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाल लिया। पीड़ित रियाज को शायद उम्मीद भी नहीं थी कि वे जिंदा रह पाएंगे, लेकिन रेस्क्यू टीम के अथक परिश्रम से आज वे हमारे साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि उन्होंने पीड़ित रियाज सहित अन्य पीड़ितों और मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस मुश्किल दौर में राज्य सरकार सभी परिवारों के साथ है। हमारी संवेदनाएं सभी के साथ हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने क्रूज दुर्घटना में जान गंवाने वालों के निकटतम परिजन को 2-2 लाख रूपए और राज्य सरकार ने 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हम सभी को मौसम विभाग द्वारा समय-समय दी जाने वाली सूचनाओं और चेतावनियों को पूरी गंभीरता के साथ अमल में लाना चाहिए। मौसम विभाग की चेतावनियां हमें सचेत करती हैं और ऐसी दुर्घटनाओं से बचाती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रूज़ हादसे में दिन-रात काम करने वाले बचाव दल के सभी जवानों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्थानीयजनों और मीडिया बंधुओं के सहयोग की प्रशंसा की।

14 से 16 मई के बीच पहुंचेगा मानसून, जम्मू से लेकर MP तक होगी मूसलाधार बारिश

नई दिल्ली/ जीएनएस। मई महीने में देश का मौसम एक साथ राहत और चुनौती दोनों लेकर आ रहा है। किसी क्षेत्र में अधिक गर्मी तो कहीं अधिक बारिश हो सकती है। उत्तर-पश्चिम और उत्तर भारत के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है, जिससे भीषण गर्मी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

पूर्वी भारत में वर्षा का स्वरूप असमान रह सकता है, जिससे कुछ क्षेत्रों में अधिक बारिश और कुछ में कमी की स्थिति बन सकती है। अलनीनो का असर मानसूनी बारिश पर पड़ेगा, जिसके चलते सामान्य से कम बारिश की आशंका पहले ही जताई जा चुकी है।

मानसून की शुरुआत के संकेत भी साफ हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 14 से 16 मई के बीच पहुंच सकता है। यह सामान्य तिथि के आसपास है, जो मानसून के समय पर आगे बढ़ने की संभावना को मजबूत करता है।

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने शुक्रवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर मई के तापमान, बारिश और मानसून की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मई में पूरे देश में औसत वर्षा सामान्य से अधिक रह सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत और हिमालय की तराई वाले क्षेत्रों में शुरुआती पखवाड़े में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है।

कहां-कहां बढ़ेगा तापमान- इससे जम्मू-कश्मीर से लेकर हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में तापमान पर नियंत्रण रहेगा एवं लू का असर सीमित हो सकता है। हालांकि महीने के अंतिम सप्ताह में तापमान बढ़ने के संकेत हैं, जो अस्थायी रूप से गर्मी को तेज कर सकते हैं। पूर्वानुमान में कहा गया है कि अलग-अलग इलाकों के तापमान में भी असमानता होगी।

उत्तर एवं उत्तर-पश्चिम राज्यों में अधिकतम तापमान सामान्य या उससे कम रह सकता है, जबकि देश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रह सकता है। ऐसे में रात में भी गर्मी बनी रह सकती है, जिससे लोगों को पूरी राहत नहीं मिलेगी।पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर के हिस्सों में हालात विपरीत रह सकते हैं। वहां वर्षा सामान्य से कम रहने की आशंका है।

यह स्थिति कृषि और जल प्रबंधन के लिहाज से चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

भगोड़ों को पकड़ने के लिए भारत और इंटरपोल कस रहे शिकंजा, रडार पर 11 बड़े अपराधी

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत में क्राइम कर विदेश भागने वाले भगोड़ों और अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के खिलाफ भारतीय सुरक्षा बलों ने एक संयुक्त अभियान ऑपरेशन ग्लोबल हंट शुरू किया है। ऑपरेशन ग्लोबल हंट नामक यह अभियान इंटरपोल के सहयोग से संचालित हो रहा है। इसका उद्देश्य विदेशी धरती से ड्रग-आतंकी नेटवर्क चलाने वाले अपराधियों को ट्रैक करना और उन्हें वापस भारत लाना है। इस अभियान के तहत भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने दाऊद इब्राहिम के एक करीबी सहयोगी सलीम इस्माइल डोला को इस्तांबुल से सफलतापूर्वक निर्वासित कर वापस भारत लाया है। दरअसल, ऑपरेशन ग्लोबल हंट की रूपरेखा भारतीय एजेंसियों द्वारा पिछली इंटरपोल कॉन्फ्रेंस के दौरान तैयार की गई थी। इसका उद्देश्य इंटरपोल की सहायता से इन भगोड़ों का पता लगाना और उन्हें गिरफ्तार करना है, और संबंधित विदेशी सरकारों को विस्तृत दस्तावेज सौंपकर विशेष विमानों के माध्यम से उनकी भारत वापसी सुनिश्चित करना है।

एक साल में 81 हजार करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त... वित्त राज्यमंत्री बोले- वित्तीय अपराध के कैंसर का सफाया कर रही ईडी

नई दिल्ली/ जीएनएस। अवैध तरीके से बनाई संपत्तियों की जब्ती और पीड़ितों तक उनकी वापसी की दिशा में ईडी को बड़ी सफलता मिल रही है। ईडी अभी तक अवैध तरीके से बनाई गई दो लाख 36 हजार 17 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त कर चुकी है, जिनमें अकेले पिछले वित्तीय वर्ष में 81,422 करोड़ की संपत्तियों को जब्त किया गया।

इसके साथ ही ईडी को 63,142 करोड़ रुपये की संपत्ति को घोटालेबाजों से जब्त कर पीड़ितों को वापस करने में भी सफलता मिली है। ईडी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ये आंकड़े देते हुए निदेशक राहुल नवीन ने कहा कि आतंकी फंडिंग और क्रिप्टो फ्राड एजेंसी की प्राथमिकता में है।

काली कमाई से बनाई गई संपत्तियों के पुराने आंकड़ों से तुलना में ईडी की सफलता काफी बड़ी है। ईडी ने इसके पहले 2024-25 के वित्तीय वर्ष में 30,036 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी। उसकी तुलना में 2025-26 में 170 फीसद अधिक संपत्तियां जब्त की गईं।

अशक्त लोगों का चलना, देखना और जीना होगा आसान... BIS ने तय किए मानक

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सहायक उपकरणों में बदलाव के जरिए लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलें आसान करने का प्रयास किया है। इसके लिए नए मानक तय किए गए हैं, जो खास तौर पर दिव्यांगजनों, बुजुर्गों और ऐसे लोगों के लिए उपयोगी हैं, जिन्हें चलने-फिरने या देखने में परेशानी होती है।

इन उपकरणों में बैसाखी, चलने की छड़ी, मल्टी-लेग स्टिक, व्हीलचेयर के लिए पोर्टेबल रैंप, टैक्टाइल मैप और ब्रेल साइनज शामिल हैं। इन्हें ज्यादा सुरक्षित, टिकाऊ एवं उपयोग में आसान बनाकर जरूरतमंद लोगों को अधिक आत्मनिर्भर बनाने का उद्देश्य है। दरअसल, देश में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है और कई लोग उम्र या बीमारी के कारण सहायक उपकरणों पर निर्भर हैं। ऐसे में सुरक्षित एवं भरोसेमंद उत्पाद उनकी जीवन गुणवत्ता सुधार सकते हैं। बाजार में मिलने वाले ऐसे उपकरणों की गुणवत्ता एक समान नहीं होती है। कई लोग सस्ती छड़ी या बैसाखी खरीद लेते हैं, जो जल्दी खराब हो जाते हैं या शरीर के अनुरूप नहीं होते।

ब्रह्मोस से लैस और स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट महेंद्रगिरी नौसेना में शामिल, भारत की समुद्र में बढ़ी ताकत

नई दिल्ली/ जीएनएस। स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट महेंद्रगिरी को भारतीय नौसेना को सौंपा गया है। नीलगिरी-क्लास (प्रोजेक्ट 17ए) का यह छठा खुफिया युद्धपोत 30 अप्रैल को मझगांव डाक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएसएल), मुंबई में सौंपा गया।

यह ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल, अत्याधुनिक सोनार और स्टील्थ तकनीक से लैस है, जो दुश्मन के रडार को चकमा दे सकता है। अधिकारियों के अनुसार, यह डिलीवरी युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा,प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट बहुउपयोगी मिशन प्लेटफार्म है, जिन्हें समुद्री क्षेत्र में वर्तमान और उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह अत्याधुनिक फ्रिगेट नौसेना के डिजाइन, स्टेल्थ, अग्निशक्ति, स्वचालन और जीवित रहने की क्षमता में गुणात्मक छलांग को दर्शाता है और युद्धपोत निर्माण में आत्मनिर्भरता का प्रशंसनीय प्रतीक है। अधिकारियों ने कहा कि महेंद्रगिरी (यार्ड 12654) इस श्रेणी का चौथा जहाज है जो एमडीएसएल में निर्मित किया गया है। पी17ए फ्रिगेट स्वदेशी जहाज डिजाइन, स्टेल्थ, जीवित रहने की क्षमता और युद्ध क्षमता में एक पीढ़ीगत छलांग को दर्शाते हैं। पी17ए जहाजों को पी17 (शिवालिक-क्लास) की तुलना में एक उन्नत हथियार और सेंसर सूट से लैस किया गया है।

ये जहाज संयुक्त डीजल या गैस (सीओडीओजी) प्रोपल्शन प्लांट से कांफिगर किए गए हैं, जिसमें एक डीजल इंजन और एक गैस टरबाइन शामिल है जो प्रत्येक शाफ्ट पर कंट्रोल करने योग्य पिच प्रोपेलर (सीपीपी) को संचालित करता है और एक अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड प्लेटफार्म मैनेजमेंट सिस्टम (आइपीएमएस) है। शक्तिशाली हथियार और सेंसर सूट में सतह-रोधी, वायु-रोधी और पनडुब्बी युद्ध प्रणाली शामिल हैं।

महेंद्रगिरी छठा पी17ए जहाज है जिसे नौसेना को 17 महीनों से कम समय में सौंपा गया। महेंद्रगिरी की डिलीवरी देश की डिजाइन, जहाज निर्माण और इंजीनियरिंग क्षमता को प्रदर्शित करती है। 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री के साथ प्रोजेक्ट में एमडीएसएल में 200 से अधिक एमएसएमई शामिल हैं और यह 4,000 व्यक्तियों को सीधे और 10,000 से अधिक व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करने में सक्षम बना है।

सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को मिली अंतरिम जमानत, कांग्रेस ने कहा- न्याय की जीत हुई

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस ने असम पुलिस द्वारा पार्टी नेता पवन खेड़ा के खिलाफ मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा की पत्नी रिनकी भुईंया सरमा की शिकायत पर दर्ज एफआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत को न्याय और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की जीत बताया है।

न्यायपालिका पर पार्टी के भरोसे को दुहराते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश तथा वरिष्ठ वकील सांसद अभिषेक सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला संदेश देता है कि व्यक्तिगत आजादी सबसे ऊपर है और गिरफ्तारी आखिरी उपाय विकल्प होना चाहिए न की कोई सामान्य कदम।

मानहानि के आरोप से जुड़े मामलों में तो गिरफ्तारी को खासकर हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। अभिषेक सिंघवी ने कहा यह फैसला उस कानूनी सिद्धांत को मजबूत करता है कि किसी भी गिरफ्तारी के लिए ट्रिपल टेस्ट - भागने का जोखिम, सबूतों से छेड़छाड़, या गवाहों को प्रभावित करने का का आधार होना चाहिए।

ऐसा न होने पर हिरासत में लेने की कार्रवाई अपमान, उत्पीड़न और राजनीतिक फायदा उठाने का जरिया बन सकती है। सिंघवी ने कहा कि एक स्थानीय मजिस्ट्रेट ने पहले असम सरकार की गिरफ्तारी की अर्जी को मनगढ़ंत, अटकलों पर आधारित और बिना किसी आधार के कहकर खारिज कर दिया था जो कार्यपालिका की मनमानी के खिलाफ निचली न्यायपालिका के सुरक्षा उपायों की मजबूती का एक बेहतरीन उदाहरण है।

मध्यप्रदेश के शिल्प का फ्रांस में गूँज रहा है नाम : फ़ोयर डे पेरिस में लहरा रहा है 'बाग प्रिंट' का परचम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश की अमूल्य शिल्प धरोहर बाग प्रिंट का परचम पेरिस में लहरा रहा है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित 'फोयर डे पेरिस में भारतीय कला और संस्कृति का भव्य प्रदर्शन देखा जा रहा है। इस अवसर पर भारतीय दूतावास, पेरिस की थर्ड सेक्रेटरी सुश्री वर्धा खान ने भारतीय पवेलियन का विधिवत उद्घाटन किया।

बाग प्रिंट से हुआ भव्य स्वागत- कार्यक्रम के दौरान बाग, धार (मध्यप्रदेश) के प्रसिद्ध शिल्पकार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद बिलाल खत्री ने सुश्री वर्धा खान का स्वागत पारंपरिक बाग प्रिंट का अंगवस्त्र पहनाकर किया। बिलाल ने उन्हें इस प्राचीन हस्तशिल्प कला की बारीकियों और इसकी प्राकृतिक रंग प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

शिल्प कला का सजीव अनुभव- उद्घाटन के पश्चात सुश्री वर्धा खान ने भारतीय स्टालों का भ्रमण किया और बाग प्रिंट कला को गहराई से समझा। इस कला के प्रति अपनी रुचि दिखाते हुए उन्होंने स्वयं अपने हाथों से लकड़ी के ठप्पों (ब्लॉक्स) का उपयोग कर एक रुमाल तैयार किया। उन्होंने भारतीय शिल्पकारों के कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इस तरह का प्रदर्शन भारतीय विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के हस्तशिल्प विभाग ने इस ऐतिहासिक यात्रा के लिए बाग प्रिंट को चुना और शिल्पी राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त शिल्पी श्री मोहम्मद बिलाल खत्री को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई। श्री खत्री फ्रांस के पेरिस में आयोजित हो रहे यूरोप के सबसे विशाल और प्रतिष्ठित उपभोक्ता मेले फ़ोयर डे पेरिस में भारत और मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह देश और प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है।

दिनांक 30 अप्रैल से 11 मई 2026 तक पेरिस के पोर्टे डे वर्साय में आयोजित हो रहे इस 12 दिवसीय भव्य आयोजन में, शिल्पी श्री खत्री बाग प्रिंट का लाइव डेमोंस्ट्रेशन दे रहे हैं। यह प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए एक विस्मयकारी अनुभव बना हुआ है, जहाँ वे प्रत्यक्ष देख रहे हैं कि कैसे एक साधारण कपड़े पर पारंपरिक प्राकृतिक रंगों और नक्काशीदार ब्लॉक्स के माध्यम से उत्कृष्ट कलाकृतियाँ उकेरी जाती हैं। बाग प्रिंट पेरिस में पारंपरिक भारतीय विरासत का प्रतिनिधित्व कर रही है, बल्कि आधुनिक डिजाइनों के साथ मिलकर एक वैश्विक अपील भी पैदा कर रही है। फ़ोयर डे पेरिस के लिए देश भर के पांच श्रेष्ठ शिल्पों बाग प्रिंट को भी शामिल किया गया है।

इंदौर में 3 मई को 'राजशांति आशियाना' वृद्ध आश्रम का शुभारंभ, बुजुर्गों के सम्मान व सेवा की अनूठी पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में वरिष्ठ नागरिकों की सेवा, सुरक्षा और सम्मान को समर्पित राजशांति आशियाना (ब्रह्मधाम) वृद्ध आश्रम का भव्य शुभारंभ 3 मई 2026, रविवार को प्रातः 8 बजे पुष्प वाटिका, ड्रीम वर्ल्ड रिसोर्ट, नेनोद में किया जाएगा। यह पहल समाज में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का संदेश देने वाली मानी जा रही है।

संस्था के अध्यक्ष रितेश बाफना एवं सचिवद्वय हर्ष मेहता और अदिति सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम गादीपति पीठाधीश्वर श्री पवनानंद जी ब्रह्मचारी और श्री विपिन जैन की पावन निश्रा में संपन्न होगा, जिसमें पूजा-अर्चना और गृह प्रवेश के साथ आश्रम का लोकार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य भामाशाह के रूप में प्रवीण दिलीप राजकुमार जैन, संतोष चित्रा जैन और विनय मंगारमानी का विशेष योगदान रहेगा।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आलोक झोलिया, श्रीमती शोभा धारीवाल, विमल तोड़ी, डॉ. देविश जैन और विनोद भंडारी उपस्थित रहेंगे, जबकि विशेष अतिथियों में विधायक मधु वर्मा सहित कई गणमान्यजन शामिल होंगे। आयोजन को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है।

आयोजकों ने बताया कि राजशांति आशियाना वृद्ध आश्रम बुजुर्गों को सुरक्षित आवास, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और स्नेहपूर्ण वातावरण प्रदान करेगा, जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। शहरवासियों से इस पुनीत पहल में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की गई है।

इंदौर में जनगणना में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पदस्थ 80 फीसद स्टाफ की लगाई ड्यूटी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर में जनगणना शुरू की जाएगी। सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना से जुड़े काम सौंपे गए हैं। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय भी इससे अछूता नहीं है। विश्वविद्यालय के परीक्षा-गोपनीय विभाग के 80 फीसद कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है।

ऐसे में विश्वविद्यालय के सामने अब 12 मई से स्नातक प्रथम वर्ष और स्नातकोत्तर दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा करवाने को लेकर संकट खड़ा हो गया है। स्टाफ की कमी के चलते विश्वविद्यालय को प्रश्न पत्र और कापियां केंद्रों तक पहुंचने की दिक्कतें खड़ी हो गई हैं। फिलहाल परीक्षाओं को रीशेड्यूल करने पर विचार किया जा रहा है। दरअसल, डीएवीवी में इस समय परीक्षाओं का दौर चल रहा है। दूसरे चरण की परीक्षाएं जारी हैं, जो आठ मई तक चलेंगी। इसके बाद 12 मई से तीसरे और अंतिम चरण की परीक्षाएं होंगी, जिसमें बीए, बीकाम, बीएससी, बीजेएमसी सहित पारंपरिक पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष के साथ-साथ एमबीए, ला और बीपीएड सेकंड सेमेस्टर की परीक्षाएं भी शामिल हैं। इस चरण में 60 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे।

अधिकारियों के मुताबिक केंद्रों तक प्रश्न पत्र-कापियां पहुंचाना होता है। यहां तक कि परीक्षा खत्म होने के बाद कापियों को मूल्यांकन केंद्र लाना पड़ता है। कर्मचारियों की कमी के कारण काम प्रभावित होंगे। जनगणना के लिए लगभग 80 प्रतिशत अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। इनमें परीक्षा विभाग, गोपनीय शाखा, प्रशासन, शिक्षक और स्थापना शाखा के कर्मचारी भी शामिल हैं।

इंदौर पुलिस की स्मार्ट पहल, Prakhar और 'Police Setu' ऐप लॉन्च, एआई तकनीक से होगी तेज जांच और आसान संपर्क

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने तकनीकी नवाचार की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए Prakhar पोर्टल और Police Setu ऐप का लोकार्पण किया है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह द्वारा 1 मई 2026 को आयोजित कार्यक्रम में इन अत्याधुनिक ऐप्स को लान्च किया गया, जिनका उद्देश्य पुलिसिंग को और अधिक स्मार्ट, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाना है।

इन ऐप्स के माध्यम से अब शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का एआई आधारित तकनीक से मिनटों में विश्लेषण किया जा सकेगा। Prakhar पोर्टल अपराधियों की पहचान और ट्रैकिंग में बेहद कारगर साबित होगा, जिससे जांच प्रक्रिया तेज, सटीक और प्रभावी बन सकेगी। वहीं Police Setu ऐप आम नागरिकों के लिए एक बड़ी सुविधा लेकर आया है, जिसके जरिए किसी भी घटना या आपात स्थिति में संबंधित थाना, अधिकारी और बीट पुलिसकर्मियों की जानकारी तुरंत प्राप्त की जा सकेगी।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि आधुनिक तकनीकों का उपयोग पुलिसिंग को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाता है। इन नए प्लेटफार्म्स से न केवल अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी, बल्कि आमजन को भी त्वरित और बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे और सभी ने इन नवाचारों को पुलिस और जनता के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

इंदौर पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देते हुए स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

इंदौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 बदमाश जिलाबदर, 11 पर निर्बंधन आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अपराध और कानून व्यवस्था पर नियंत्रण के लिए पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए कुल 16 शातिर बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में 5 कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर कर इंदौर और आसपास के जिलों की सीमाओं से निष्कासित किया गया है, जबकि 11 अन्य बदमाशों को निर्बंधन आदेश के तहत नियमित थाना हाजिरी के लिए पाबंद किया गया है। पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी आदतन अपराधी हैं, जिनके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में गंभीर धाराओं के कई मामले दर्ज हैं। लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बावजूद सुधार न होने के कारण इनके खिलाफ म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत यह सख्त कदम उठाया गया है। जिलाबदर किए गए 5 बदमाशों को निर्धारित अवधि के लिए इंदौर जिले सहित सीमावर्ती जिलों की सीमा में प्रवेश करने पर रोक लगा दी गई है। वहीं निर्बंधन आदेश के तहत 11 बदमाशों को तय समय पर संबंधित थाने में हाजिरी देना अनिवार्य होगा और किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि में शामिल नहीं होने की सख्त हिदायत दी गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि इन आदेशों का उल्लंघन किया गया तो संबंधित आरोपियों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इंदौर पुलिस द्वारा आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रखते हुए शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे।

बाणेश्वर कुंड का होगा कायाकल्प, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया 'बाणेश्वर लोक' का भूमिपूजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 स्थित ऐतिहासिक बाणेश्वर कुंड के पुनरुद्धार और 'बाणेश्वर लोक' निर्माण कार्य का भूमिपूजन नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस योजना के तहत इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा बाणेश्वर लोक को एक भव्य और आधुनिक धार्मिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्य कार्यपालिक अधिकारी डॉ. परिक्षित झाडे के अनुसार, परियोजना के प्रथम चरण की लागत लगभग 7.5 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें विभिन्न विकास कार्य शामिल हैं। परियोजना के अंतर्गत बाणेश्वर धाम में एक विशाल और कलात्मक प्रवेश द्वार का निर्माण किया जाएगा, जो भारतीय स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण होगा। मंदिर परिसर में भगवान शिव की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी, साथ ही श्रद्धालुओं के लिए हरे-भरे उद्यान, आकर्षक मार्ग और बैठने की समुचित व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके अलावा आगंतुकों की सुविधा के लिए पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था और ऐतिहासिक कुंड का सौंदर्यीकरण व जल संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर पुष्पमित्र भार्गव सहित संतजन, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। यह परियोजना इंदौर की धार्मिक पहचान को सशक्त करने के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा देगी।

बरगी क्रुज दुर्घटना में लोगों को बचाने वालों को स्वतंत्रता दिवस पर किया जाएगा सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जबलपुर के बरगी डैम में मौसमी चक्रवात के कारण दुःखद घटना हुई है। सूचना मिलते ही लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे, एडीजी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सहित स्थानीय प्रशासन के अधिकारी राहत और बचाव कार्य में पूरी तत्परता के साथ जुट गए। हमारे राहत और बचाव दल ने लगभग 29 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है, रेस्क्यू जारी है, अब तक 9 शव बरगी डैम से बाहर निकाले गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि करूज दुर्घटना अत्यंत दुःखद है, राज्य सरकार ने हादसे की जांच के निर्देश दिए हैं। ऐसी दुर्घटना से मन दुःखी है। सभी नागरिकों को बोटिंग के दौरान लाइफ सेविंग जैकेट अवश्य पहननी चाहिए, जिन्होंने लाइफ जैकेट का इस्तेमाल किया, वे सुरक्षित रहे। भविष्य में इस प्रकार के हादसे न हो, इसके लिए पर्यटन विभाग जांच कराई जाएगी। हादसे में जान गंवाने वालों के परिजन के प्रति हमारी पूरी संवेदनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रेस्क्यू टीम ने बहादुरी के साथ अपनी जान की परवाह किए बगैर कई लोगों को सुरक्षित बचाया है , जिन व्यक्तियों ने तत्परता के साथ राहत और बचाव कार्य में हिस्सा लिया, उन सभी बहादुर नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पर सम्मानित किया जाएगा।

इंदौर में ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 1.29 करोड़ की ब्राउन शुगर जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में नशे के अवैध कारोबार पर करारा प्रहार करते हुए बाणगंगा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई में 129 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ 29 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और अंतरराज्यीय नेटवर्क की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत 28 अप्रैल की रात पुलिस टीम एमआर-4 रेलवे क्रॉसिंग क्षेत्र में गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की एक्टिवा पर सवार एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शिवम सोनी उर्फ सित्री बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 129 ग्राम ब्राउन शुगर, 70 पुड़िया, पैकिंग सामग्री, एक मोबाइल फोन और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक्टिवा बरामद की गई।

आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने एक अन्य ड्रग पैडलर अभिषेक सिंह तोमर को भी गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस को आशंका है कि यह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकते हैं, जिसकी कड़ियां अन्य राज्यों से भी जुड़ी हो सकती हैं। पूरी कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत प्रक्रिया अपनाते हुए की गई है, ताकि साक्ष्यों की पारदर्शिता बनी रहे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर ड्रग तस्करी के पूरे नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी है और संभावित ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी मादक पदार्थों की गतिविधियां नजर आएं तो तुरंत सूचना दें, ताकि ऐसे अपराधों पर सख्ती से अंकुश लगाया जा सके।

इंदौर में कचरा जलाने और फैलाने पर निगम की सख्ती, दो संस्थानों पर 20 हजार का जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए कचरा जलाने और खुले में फैलाने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की है। आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र में निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वाले दो संस्थानों पर कुल 20 हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-डी और एमआर-4 रोड क्षेत्र में कुछ औद्योगिक इकाइयों द्वारा कचरा जलाने और खुले में फैलाने की गतिविधियां पाई गई, जिससे पर्यावरण और स्वच्छता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। अपर आयुक्त प्रखर सिंह के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में खुशबू ट्रेडर्स पर कचरा जलाने के लिए 10 हजार रुपये और मोरा इंडस्ट्रीज पर कचरा खुले में फेंकने के लिए 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में कचरा जलाना और सार्वजनिक स्थानों पर फैलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है, क्योंकि इससे पर्यावरण के साथ-साथ आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ता है। निगम ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि शहर में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखा जा सके।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े धार जिले में हुई सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों से मिलने श्री अरबिन्दो अस्पताल में पहुँचे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़ेगत दिवस धार जिले में हुई दुःखद सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों से मिलने श्री अरबिन्दो अस्पताल में पहुँचे। यहाँ उन्होंने अस्पताल प्रमुख डॉ. महक भंडारी से घायलों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। संभागायुक्त डॉ. खाड़े श्री अरबिन्दो अस?पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती मरीजों से मिले और उनके स्वास्थ्य उपचार की जानकारी ली। अस्पताल में भर्ती मरीजों में केसर भाई, निर्मला बाई, ?विक्रम भाई, आशा बाई, बेबी मनीषा और निशा से मिले और उन्हें विश्वास दिलाया कि अस्पताल में सभी का इलाज समुचित रूप सुनिश्चित किया जा रहा है। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अस्पताल के चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी घायलों का उचित उपचार किया जाए। उन्हें समय पर दवाईयाँ और आवश्यक जाँच की जाए। किसी भी मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने घायल मरीजों के परिजनों से भी संवाद किया और उन्हें विश्वास दिलाया कि अस्पताल में मरीजों का बेहतर उपचार किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, डॉ. राघवेंद्र रायगर, अरबिन्दो अस्पताल के प्रबंधन से जुड़े अधिकारी श्री राजीव सिंह एवं अन्य डॉक्टर्स उपस्थित रहें।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सभी घायलों का अस्पताल में निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। गंभीर घालयों को एक-एक लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये देने घोषणा की गई है। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

इंदौर में 120 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का काम तेज, महापौर ने किया निरीक्षण, मार्च 2027 तक होगा पूर्ण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर को स्वच्छ और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में नगर निगम एक बड़ा कदम तेजी से आगे बढ़ा रहा है। कबीटखेड़ी में निर्माणाधीन 120 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (स्क्वक) का महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जल कार्य एवं ड्रेनेज प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा, अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित निगम के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। महापौर ने अधिकारियों से परियोजना की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्य को तय समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महापौर ने कहा कि इंदौर को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए समग्र योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नर्मदा परियोजना के चौथे चरण के साथ-साथ जलूद में सोलर प्लांट की शुरुआत कर शहर को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट व्यवस्था को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है, ताकि बढ़ती आबादी और शहरी विस्तार के बीच स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन बना रहे।

उन्होंने जानकारी दी कि कबीटखेड़ी स्थित यह 120 एमएलडी क्षमता का प्लांट निर्धारित समयसीमा के अनुसार मार्च 2027 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। साथ ही भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सीवरेज ट्रीटमेंट क्षमता बढ़ाने पर भी काम किया जा रहा है। महापौर ने विश्वास जताया कि यह परियोजना न केवल शहर की स्वच्छता को नई मजबूती देगी, बल्कि इंदौर को पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी नई पहचान दिलाएगी।

इंदौर में प्रदूषण फैलाने वालों 23 उद्योगों के बिजली कनेक्शन काटने के लिए सिफारिश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बिजली कनेक्शन काटने के लिए 23 डिफाल्टर उद्योगों की सूची बिजली कंपनी को देकर सिर्फ खानापूर्ति कर दी। जबकि पहले ऐसे मामलों में बिजली कंपनी डिफाल्टर उद्योगों की तुरंत बिजली कनेक्शन काटती आई है। इस मामले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इंदौर ने अप्रैल माह में फिर से कनेक्शन काटने के लिए बिजली कंपनी को पत्र लिखा है। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के बिजली कनेक्शन काटने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बिजली कंपनी को कई महीनों से लगातार पत्र लिख रहा है, लेकिन बिजली कंपनी अपने आर्थिक नुकसान के चलते बिजली कनेक्शन काटने को तैयार ही नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास मिट्टी, पानी, हवा को प्रदूषित करने या जहरीला बनाने वाले उद्योगों को सिर्फ नोटिस देने या उनके खिलाफ कोर्ट में जाने के अलावा कोई अधिकार ही नहीं है। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के बिजली कनेक्शन कटवाने के लिए बिजली कंपनी पर निर्भर रहना पड़ता है।

भाजपा इंदौर ग्रामीण की मासिक बैठक संपन्न, संगठन को मजबूत करने और योजनाओं के प्रचार पर जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में भारतीय जनता पार्टी जिला इंदौर ग्रामीण की मासिक कामकाजी बैठक भाजपा कार्यालय पर आयोजित की गई, जिसमें संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, जिला प्रभारी शैलेंद्र डागा और जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

नेताओं ने कहा कि संगठन द्वारा सौंपे गए सभी कार्यों को जिला स्तर पर पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाया जा रहा है और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी भी साझा की गई।

बैठक के दौरान संभाग प्रभारी ने पदाधिकारियों को नियमित रूप से बैठकों में उपस्थित रहने और सक्रिय भूमिका निभाने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं, उनसे संवाद कर स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा, विधायक उषा ठाकुर सहित कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री पूंजालाल निनामा ने किया, जबकि आभार महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ. किरण सूर्यवंशी ने व्यक्त किया।

खंभा चीर कर उतरे 'न्याय के नख' - नीमच में नरसिंह जयंती ने भक्ति को बना दिया जन-ज्वार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच ने गुरुवार को सिर्फ एक त्योहार नहीं मनाया–यह आस्था का उफान था, जहां भीड़ नहीं, विश्वास उमड़ा। घंटाघर स्थित नृसिंह मंदिर में नरसिंह जयंती ने ऐसा रूप लिया, मानो पुराणों का समय शहर की गलियों में उतर आया हो।

सुबह 8ः30 बजे जैसे ही वैदिक मंत्रों के बीच अभिषेक शुरू हुआ, मंदिर परिसर श्रद्धा की ऊर्जा से भर गया। घंटियों की गूंज और मंत्रोच्चार के बीच भक्तों की लंबी कतारें–हर चेहरा एक ही प्रार्थना के साथ- संकट काटो, सुख दो।

दोपहर 3 बजे महिला मंडल ने 56 भोग अर्पित कर भक्ति को स्वर दिया। भजन-कीर्तन ने माहौल को ऐसा रंग दिया कि मंदिर केवल स्थान नहीं, अनुभव बन गया।

लेकिन असली क्षण शाम ने रचा।

6 बजे शुरू हुई लीलाज और ठीक 7ः15 पर–वह दृश्य, जिसने सांसें थाम दीं।

खंभा फटाज और न्याय प्रकट हुआ।

भगवान नरसिंह का प्रकट होना सिर्फ मंचन नहीं था–यह उस कहानी का जीवंत बयान था, जहां अहंकार का अंत तय है और आस्था अडिग रहती है। हिरण्यकश्यप का क्रूर चेहरा और प्रह्लाद की निडर भक्ति–दोनों के टकराव ने दर्शकों को भीतर तक झकझोर दिया।

आरती के साथ जैसे ही जय श्री नरसिंह गूंजा, पूरा परिसर एक स्वर में बदल गया। प्रसाद वितरण के बीच भी लोगों के चेहरे पर वही भाव–आस्था, विस्मय और संतोष।

क्यों खास है यह दिन- पुराण बताते हैं–जब सत्ता अहंकार में अंधी हो जाती है और भक्ति को कुचलने की कोशिश करती है, तब भगवान नियम तोड़कर भी न्याय करते हैं। न दिन, न रातज न भीतर, न बाहरज न अस्त्र, न शस्त्र–इन सब सीमाओं के बीच नरसिंह अवतार का संदेश साफ है- अन्याय चाहे जितना चतुर हो, अंत तय है।

आयोजन की जानकारी समाज अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल ने दी। लेकिन इस आयोजन की असली पहचान भीड़ या कार्यक्रम नहीं–वह भाव था, जिसने नीमच को एक शाम के लिए धर्म और न्याय की कथा में बदल दिया।

ग्रामीणों को मिलेगी डिजिटल ताकत, नेटवर्क विहीन 10 गांवों में लगेंगे मोबाइल टावर

कलेक्टर ने दी दूरसंचार कंपनियों को सशर्त अनुमति

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्रामीण अंचलों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने बड़ी पहल की है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा ऐसे 10 ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल टावर स्थापित करने की सशर्त अनुमति जारी की गई है, जहां वर्तमान में कोई भी मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है।

चिन्हित 10 ग्रामों में मिलेगी अनुमतिः कलेक्टर द्वारा तहसील सिंगोली के ग्राम डाबडाकलां, कछाला, कोज्या, लुम्बा, थड़ोद, कुंथली, राणावत खेड़ा, कीरता, तहसील जीरन के ग्राम सोकड़ी तथा तहसील जावद के ग्राम कांस्या सुखानंद में मोबाइल टावर लगाने हेतु दूरसंचार कंपनियों को अनुमति प्रदान की गई है।

नेटवर्क समस्या का होगा समाधानः इन ग्रामों में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं होने से ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों एवं व्यापारियों को संचार, ऑनलाइन शिक्षा, बैंकिंग एवं शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ता था। टावर स्थापना के पश्चात इन क्षेत्रों में 4जी मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे डिजिटल कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी।

कलेक्टर के निर्देशः कलेक्टर श्री चंद्रा ने स्पष्ट किया है, कि टावर स्थापना का कार्य नियमानुसार एवं सभी आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने के उपरांत ही किया जाए। टावर से यातायात, विद्युत सिस्टम आदि प्रभावित नहीं होना चाहिए तथा भविष्य में किसी दुर्घटना की स्थिति में सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित कंपनी की होगी। जिला प्रशासन का यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल इंडिया मिशन को गति देगा तथा अंतिम छोर तक बेहतर संचार सुविधा पहुंचाने में सहायक होगा। सिंगोली तहसील के धारड़ी में मोबाइल टावर लगाने की अनुमति का प्रकरण भी प्रकियाधीन है।

जिला मॉनिटरिंग सेल की बैठक संपन्न

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मॉनिटरिंग सेल की बैठक आज जिला न्यायालय के सभाकक्ष में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विजय चंद्र की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में न्यायिक सेवाओं, विधिक सहायता योजनाओं तथा मॉनिटरिंग तंत्र की समीक्षा करना था, ताकि आमजन को त्वरित और प्रभावी न्याय सुनिश्चित किया जा सके। प्रधान न्यायाधीश श्री चंद्र ने कहा कि जिला मॉनिटरिंग सेल का गठन न्यायिक प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक न्यायालय में लंबित मामलों की मॉनिटरिंग साप्ताहिक आधार पर की जाए तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की जाए। बैठक के दौरान श्री चंद्रा द्वारा किशोर न्यायालय एवं परिवार न्यायालय के नवीन भवन हेतु भूमि आवंटन की प्रगति की जानकारी ली गई। साथ ही कोर्ट परिसर में नियमित डॉक्टर की पदस्थापना एवं नियमित साफ सफाई करवाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जिला कोर्ट में ई-कोर्ट प्रणाली की प्रगति तथा केस मैनेजमेंट सिस्टम के अपडेट पर भी चर्चा की। उन्होंने पुरानी स्थाई वारंटियों के रिकॉर्ड का डिजिटलाइजेशन करवाने के निर्देश भी दिए। बैठक में अंत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सभी अधिकारियों को आगामी 9 मई को होने वाली लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु गंभीरता पूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए।

नीमच में 'नो एंट्री' सख्ती : प्रतिबंध के बावजूद घुसे भारी वाहन, पुलिस ने ट्रक जब्त कर की कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और ट्रैफिक दबाव को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा भारी वाहनों पर लगाया गया प्रतिबंध अब सख्ती से लागू कराया जा रहा है। जिला दण्डाधिकारी हिमांशु चंद्रा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(1) के तहत जारी आदेश के अनुसार 15 मई 2026 तक सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक शहर के प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है।

प्रशासन ने हिंगोरिया रेलवे फाटक, भरभड़िया फंटा, जावद फंटा, नाका नंबर 7 से फव्वारा चौक, अंबेडकर रोड, मूलचंद मार्ग, पंचवटी कॉलोनी, टेगोर मार्ग सहित कई प्रमुख मार्गों को नो एंट्री जोन घोषित किया है, जहां इस अवधि में भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह वर्जित है।

इसके बावजूद दशहरा मैदान क्षेत्र में स्थित अग्रवाल ट्रांसपोर्ट और निम्बाहेड़ा गोल्डन ट्रांसपोर्ट द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए शहर के भीतर भारी वाहनों से माल लोडिंग-अनलोडिंग की जा रही थी। मामले की जानकारी मिलते ही यातायात थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए संबंधित ट्रकों को जब्त कर लिया। यातायात प्रभारी सोनू बडगुर्जर ने स्पष्ट किया कि शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित है। यदि कोई भी वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला : 8-10 बदमाशों ने घेरकर किया हमला, हालत गंभीर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जावद थाना क्षेत्र अंतर्गत नयागांव चौकी इलाके में शुक्रवार को पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमले का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जावद रोड स्थित एक मांगलिक भवन परिसर में 8 से 10 आरोपियों ने मिलकर युवक को घेर लिया और लाठी-डंडों व धारदार हथियार से हमला कर मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल नयागांव अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल नीमच रेफर किया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

घायल तुलसीराम पिता नंदराम खारोल (36), निवासी गांधी कॉलोनी नयागांव ने बताया कि वह एक कार्यक्रम में भोजन करने गया था। जैसे ही वह बाहर निकला, पहले से घात लगाए बैठे चेतन, अमित, विजय, अंकित, मदनलाल, प्रकाश, दिनेश, राजेश और मुकेश खटीक सहित अन्य लोगों ने उसे घेरकर हमला कर दिया।

पीड़ित के अनुसार, आरोपियों से उसकी पुरानी रंजिश चल रही थी। नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद से ही वे उससे नाराज थे और लगातार धमकियां दे रहे थे। पहले भी कई बार उस पर हमले हो चुके हैं, जिसकी शिकायत उसने पुलिस में दर्ज करवाई थी। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश है और उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और घायल के बयान दर्ज किए। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है

मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अनुग्रह राशि वितरण कार्यक्रम

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा श्रमिक परिवारों को संबल प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत सम्पूर्ण म.प्र. में 27,167 श्रमिक परिवारों को 600 करोड़ की अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण किया गया। विगत दिवस भोपाल से मुख्यमंत्री निवास से आयोजित मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना की अनुग्रह राशि के वितरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एनआईसी कक्ष दतिया में देखा एवं सुना गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से दतिया जिले के 261 श्रमिकों को मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना की अनुग्रह राशि 5 करोड़ 76 लाख रुपये राशि का अंतरण किया गया। जिनमें 234 परिवारों को सामान्य मृत्यु, 27 परिवारों को दुर्घटना मृत्यु अंतर्गत सहायता राशि अंतरित की गई। जिन निकायों में वितरण किया गया उनमें जनपद पंचायत दतिया से 92 हितग्राही, जनपद पंचायत भांडेर से 58, जनपद सेवढ़ा से 59, नगरपालिका दतिया से 29, नगर परिषद इंदरगढ़ से 12, नगर परिषद भांडेर से 05, नगर परिषद सेवढ़ा से 04, नगर परिषद बड़ौनी से 02 हितग्राहियों को राशि अंतरित की गई है। कार्यक्रम में केंद्र तथा म.प्र. शासन द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने के बारे में जानकारी हासिल की।

रात्रि चौपाल में मिली शिकायतों का समाधान- शिविर में मिलेगा योजनाओं का लाभ

6 मई को ग्राम कोज्या में लगेगा संयुक्त विभागीय शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा 23 अप्रैल 2026 को ग्राम कोज्या, तहसील सिंगोली में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणजनों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों एवं सुझावों के त्वरित निराकरण हेतु दिए गए निर्देशों के परिपालन में 06 मई 2026, बुधवार को ग्राम कोज्या में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर का उद्देश्यः संयुक्त विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित करने एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम कोज्या* में इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

कलेक्टर के निर्देशः रात्रि चौपाल में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के साथ-साथ ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने हेतु कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सभी विभागों को शिविर में सक्रिय भागीदारी के निर्देश दिए हैं।

शिविर में विभागवार व्यवस्थाः शिविर में सभी विभागों के अधिकारी कार्य समाप्ति तक उपस्थित रहकर ग्रामीणों को अपने-अपने विभाग की योजनाओं से लाभान्वित करेंगे तथा योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी देंगे।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, उपखण्ड जावद सुश्री प्रीति सिंघवी ने इस हेतु विभागवार अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने ग्राम कोज्या एवं आसपास के क्षेत्र के नागरिकों से अपील है कि वे 6 मई को आयोजित इस शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

नीमच नगर पालिका को मिले 8 नए वाहन, सफाई व्यवस्था होगी और मजबूत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नगर पालिका नीमच के वाहन बेड़े में 8 नए वाहन शामिल किए गए हैं। इनका लोकार्पण पुरानी नगर पालिका स्थित बंगला नंबर 60 परिसर में विधायक दिलीप सिंह परिहार एवं नपाध्यक्ष स्वाति चोपड़ा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। कार्यक्रम से पहले सभी नए वाहनों की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस नए बेड़े में 5 इलेक्ट्रॉनिक कचरा संग्रहण वाहन और 3 ट्रैक्टर शामिल हैं, जो शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रंजना सिंह परमार, नगर मंडल अध्यक्ष दारा सिंह यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष चोपड़ा, वाहन शाखा सभापति कुसुम जोशी सहित कई जनप्रतिनिधि और पार्षद मौजूद रहे। साथ ही नगर पालिका के अधिकारी और कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। नपाध्यक्ष स्वाति चोपड़ा ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए लगातार संसाधनों में बढ़ोतरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में फायर ब्रिगेड सहित अन्य आवश्यक वाहन भी खरीदे गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इन नए वाहनों के शामिल होने से शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार आएगा और नीमच स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन कर सकेगा। साथ ही नागरिकों से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहयोग की अपील भी की गई।

कलेक्टर के निर्देश पर बड़ी कार्यवाही

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े के निर्देशानुसार जिले में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में आज अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री लोकेंद्र सरल के नेतृत्व में दतिया शहर में बड़ी कार्यवाही करते हुए लगभग 11 करोड़ रुपए मूल्य की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। कार्यवाही के दौरान दतिया गिर्द की शासकीय भूमि सर्वे नंबर 257 में लगभग 3.00 हेक्टेयर भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। संबंधित व्यक्तियों द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर पक्के निर्माण कर लिए गए थे, जिन्हें जेसीबी मशीन के माध्यम से हटाया गया। इसी प्रकार सर्वे नंबर 1233/1 में लगभग 0.40 हेक्टेयर भूमि पर भी अतिक्रमण पाया गया, जहां करीब 10 पक्के मकानों को ध्वस्त करते हुए भूमि को मुक्त कराया गया। पूरी कार्यवाही के दौरान तहसीलदार बृजमोहन आर्य, राजस्व अमला, थाना सिविल लाइन पुलिस बल एवं नगर पालिका अमला मौके पर उपस्थित रहा और कार्रवाई शांतिपूर्वक संपन्न कराई गई। कलेक्टर श्री वानखड़े ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नीमच में कांग्रेस का बड़ा आयोजन, हर ब्लॉक में गूंजेगी बाबा साहब की जयंती

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर आज नीमच जिले में कांग्रेस व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के प्रत्येक ब्लॉक में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित होकर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उनके बताए सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने का संकल्प लेंगे।

नीमच शहर में जिला एवं शहर ब्लॉक कांग्रेस के नेतृत्व में गांधी भवन में सुबह 11:00 बजे विचार गोष्ठी आयोजित होगी। इसके बाद 11:30 बजे अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं नीमच ग्रामीण क्षेत्र के ग्रामोदय में सुबह 11ः00 बजे और ग्राम बिशनिया में 11:30 बजे कार्यक्रम होंगे।

जीरन ब्लॉक में सीताखेड़ा में सुबह 8:30 बजे और गांधीनगर स्थित अंबेडकर सर्किल पर 9:30 बजे जयंती मनाई जाएगी। रतनगढ़ ब्लॉक में बस स्टैंड पर सुबह 10:15 बजे और सिंगोली ब्लॉक में शाम 4:30 बजे अंबेडकर उद्यान में विशेष आयोजन रखा गया है।

मनासा क्षेत्र में भी विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम तय किए गए हैं। मनासा ब्लॉक में अंबेडकर कॉलोनी में शाम 5:00 बजे, कुकड़ेश्वर में मीना चौक पर सुबह 10:30 बजे और रामपुरा ब्लॉक में दोपहर 12:00 बजे शहर के प्रमुख स्थलों पर जयंती मनाई जाएगी।

जिलेभर में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ता बाबा साहब के संघर्ष, उनके विचारों और संविधान की महत्ता को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। साथ ही सभी कांग्रेसजन उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का सामूहिक संकल्प भी लेंगे।

कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने चारा एवं भूसे के निर्यात पर 31 मई तक प्रतिबंध लगाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती अदिती गर्ग ने जिले में चारा एवं भूसे के निर्यात को रोकने के लिए पर 31 मई तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। मंदसौर जिला अंतर्गत चारा/भुसा के निर्यात होने व अन्य कारणों से पशुओं के भुसा एवं चारा आदि की कमी होने की आशंका है। जिले मे उत्पादित भुसा एवं चारे को पशुओं हेतु पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति एवं संग्रहण करना आवश्यक है। म0प्र0 पशु चारा (निर्यात नियंत्रण) आदेश 2000 के निहित प्रावधानों के अधीन प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए पशुओं के आहार में आने वाले सभी प्रकार के चारा, भुसा, घास, ज्वार आदि।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नई दिल्ली द्वारा आयोजित नीट परीक्षा 3 मई को होगी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नई दिल्ली द्वारा आयोजित नीट परीक्षा 3 मई 2026 को मंदसौर नगर के तीन परीक्षा केन्द्र 1 लाल बाहादुर शास्त्री, शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. स्टेशन रोड मंदसौर 2 महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उ.मा.वि. गाँधी चौराहा मंदसौर 3- पीएम श्री केन्?द्रीय विद्यालय मंदसौर 4- राजीव गाँधी शासकीय महाविद्यालय महू-नीमच रोड़ मंदसौर पर 3 मई 2026 को दोपहर 02ः00 बजे से 05ः00 बजे तक होगी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नई दिल्ली द्वारा आयोजित नीट परीक्षा 2026 के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं परीक्षा की पवित्रता तथा विश्वसनीयता सुनिश्चित करने हेतु उक्त परीक्षा आयोजन तिथि 3 मई 2026 को उक्तानुसार परीक्षा केन्द्रों के आस-पास के 100 मीटर क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की जाना आवश्यक है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नई दिल्ली द्वारा आयोजित नीट परीक्षा 2026 3 मई 2026 को परीक्षा की पवित्रता, पारदर्शिता, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा मंदसौर जिले के समस्त परीक्षा केन्द्रों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की गई है।

1-परीक्षा प्रारम्भ होने के पूर्व प्रातः 08ः00 बजे से साँय 06ः00 बजे तक परीक्षा केन्द्रों से 100 मीटर की दूरी के अन्दर किसी अनाधिकृत व्यक्तियों का बिना किसी उद्देश्य के प्रवेश व घूमने, कागज या अन्य वस्तुओं का वितरण या प्रचार-प्रसार, ऐसी वस्तुओं का उपयोग जिसका प्रयोग आक्रामक आयुध के रूप में किया जा सकता है, परीक्षा से संबंधित अधिकारी/वीक्षक (इन्वीजिलेटर) कर्मचारीगण को डराने का प्रयास आदि अवांछनीय गतिविधियों तथा अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्णतः रोक रहेगी।

2- परीक्षा हेतु नियत किए गए परीक्षा केन्द्रों से 100 मीटर की दूरी के अन्दर किसी प्रकार के हाथ ठेला, खोमचा, लारी लगाकर व्यवसाय करने वाले लोगों का खड़ा होना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

3- म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा-10 के तहत परीक्षा केन्द्रों से 200 मीटर की दूरी के अन्दर ध्वनि विस्तारक यंत्रो का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा, तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाऊडस्पीकर/डी.जे./सम्बोधन प्रणाली) के अनियंत्रित व नियम विरुद्ध प्रयोग पर नियंत्रण/कार्यवाही के संबंध में जारी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

यह आदेश सर्वसाधारण आम जनता को संबोधित है और चूँकि इसकी तामिली प्रत्येक व्यक्ति पर सम्यकरूपेण करना और उसकी सुनवाई संभव नहीं है, अतः भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (2) के तहत यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया जाता है। इस आदेश की सूचना सर्वसाधारण जनता को समाचार पत्रों/इलेक्ट्रानिक मिडिया या अन्य माध्यम से की जाए और सहगोचर सावर्जनिक स्थलों पर आदेश की प्रति चस्पा की जाए।

उक्त आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 के तहत कार्यवाही की जावेगी।

जन सहयोग से बड़ावदा में बढ़ी सुरक्षाः 28 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कस्बा बड़ावदा में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षु थाना प्रभारी आईपीएस श्री वैभव प्रिय के नेतृत्व में एक सराहनीय पहल की गई है। जन सहयोग से नगर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर कुल 28 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं।

कहां-कहां लगाए गए कैमरेः नगर के संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए बड़ावदा फंटा, चापाखेड़ा फंटा, बस स्टैंड, बाबा फरीद दरगाह, झंडा चौक, सेदरी रोड, पिपली बाजार, कस्टम चौराहा, सदर बाजार, जैन मंदिर, अंबा माता मंदिर और पल्ला मोहल्ला सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर कैमरे लगाए गए हैं।

जन सहयोग से बनी पहल सफलः इस अभियान की खास बात यह रही कि इसमें स्थानीय नागरिकों का भरपूर सहयोग मिला। आमजन की भागीदारी से यह कार्य तेजी से पूरा हुआ, जो पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय का उदाहरण है।

सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूतः सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से अब संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना आसान होगा, जिससे अपराधों पर नियंत्रण लगाने में मदद मिलेगी। साथ ही किसी भी घटना की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य भी उपलब्ध हो सकेंगे।

पुलिस प्रशासन की सराहनीय पहलः प्रशिक्षु थाना प्रभारी श्री वैभव प्रिय की यह पहल न केवल आधुनिक पुलिसिंग का उदाहरण है, बल्कि इससे नगर में सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। इस कदम से नागरिकों में सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत हुई है।

निष्कर्षः बड़ावदा में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे भविष्य में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएंगे, साथ ही यह पहल पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करेगी।

सम्पादकीय

क्या वाकई बढ़ी बाजारों में रौनक या ग्राहकों ने खींच लिए हाथ?

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था को एक जटिल ढांचे के साथ पेश किया गया था जिसमें पांच दरों वाली स्लैब और समय-समय पर दरों को युक्तिसंगत बनाने की प्रतिबद्धता शामिल थी। दरों को युक्तिसंगत बनाने के कई प्रयास किए गए हैं जिनमें सबसे ताजा सितंबर 2025 में हुआ बदलाव है।

इन समायोजनों को अक्सर ग्राहकों को प्रसन्न करने और प्रणाली को सरल बनाने के तरीके के रूप में देखा गया है। ग्राहकों के लिए यह प्रसन्नता अक्सर मांग को प्रोत्साहित करने के रूप में अपेक्षित होती है। वस्तुओं के एक समूह पर कर दरों में कमी से इन वस्तुओं की मांग में वृद्धि होने की उम्मीद की जाती है। वृद्धि की सीमा मांग की मूल्य लोच और इस बात पर निर्भर करती है कि कम कर का लाभ किस हद तक उपभोक्ता तक कम कीमतों के रूप में पहुंचता है।

हालांकि, भारतीय संदर्भ में कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि यह अधूरे ढंग से पास थ्रू होता है। यहां पास थ्रू से तात्पर्य उपभोक्ताओं तक उसके प्रसार या पहुंच से है। राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के एक कार्यपत्र (वर्किंग पेपर 444, 2025) में सच्चिदानंद मुखर्जी और शिवानी बडोला ने बताया है कि विभिन्न वस्तुओं की श्रेणियों में प्रसारण अलग-अलग होता है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए स्पष्ट पास-थ्रू और खाद्य पदार्थों, घरेलू उपभोग वस्तुओं तथा व्यक्तिगत देखभाल के लिए सीमित पास-थ्रू। इसका असर कर कटौती से उत्पन्न मांग प्रोत्साहन की सीमा पर पड़ेगा। कर कटौती का अंतिम वस्तुओं और सेवाओं की मांग पर प्रभाव देखने का एक वैकल्पिक तरीका सीमांत और औसत उपभोग प्रवृत्तियों के माध्यम से हो सकता है। मूल्य परिवर्तन और लोच आमतौर पर करों में बदलाव के सीमांत प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यानी विचाराधीन वस्तु और उसके पूरक तथा विकल्पों पर मूल्य परिवर्तनों का प्रभाव। एक प्रश्न यह है कि क्या कर दरों में बदलाव औसत या सीमांत उपभोग प्रवृत्ति में बदलाव में परिवर्तित होगा। क्या कर दरों में कमी से समग्र मांग में वृद्धि होगी जिससे औसत उपभोग प्रवृत्ति अधिक हो जाएगी?

यदि ऐसा होता है, तो अर्थव्यवस्था के लिए गुणक अधिक होगा और इसका शुद्ध प्रभाव अधिक आय और उपभोग के रूप में सामने आएगा। दूसरी ओर, यदि उपभोग प्रवृत्तियां अपरिवर्तित रहती हैं, तो कर दरों में बदलाव उपभोग की संरचना में बदलाव लाएगा, न कि उसके समग्र स्तर में। यहां मांग प्रोत्साहन केवल कर बचत से उत्पन्न व्यय तक सीमित रहेगा।

भारत में इन मामलों में से कौन-सा परिदृश्य सामने आ रहा है, इसे समझने के लिए हम मासिक कुल आय और उपभोग के आंकड़ों को देखते हैं, जो सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी द्वारा किए गए कंज्यूमर पिरामिड्स सर्वे से मिले हैं। यह मासिक आंकड़ों का एकमात्र स्रोत है। इसमें उपभोग के दो अलग-अलग समग्र आंकड़े पर विचार किया गया है।

कुल उपभोग और किराया, ईंधन व बिजली तथा ईएमआई को छोड़कर उपभोग। पहले को कुल उपभोग कहा गया है, जबकि दूसरे को जीएसटी के अंतर्गत कर आधार के अधिक निकट लाने के लिए कर योग्य उपभोग कहा गया है। आय और उपभोग का अनुपात औसत उपभोग प्रवृत्ति को दर्शाता है। हम औसत उपभोग प्रवृत्ति पर विचार करते हैं क्योंकि यह सीमांत उपभोग प्रवृत्ति की तुलना में अधिक स्थिर होती है।

डेटा में मौसमी प्रभाव को अलग करने के लिए, चालू वर्ष की श्रृंखला की तुलना अन्य वर्षों के समान अनुपात से की जाती है।ग्राफ कुछ दिलचस्प प्रवृत्तियां प्रस्तुत करते हैं। कुल उपभोग के लिए औसत उपभोग प्रवृत्ति (एपीसी) पिछले दो वर्षों में 2022-24 की तुलना में मध्यम रूप से कम रही है। वर्ष 2025-26 में एपीसी नवंबर तक 2024-25 की प्रवृत्तियों से स्पष्ट रूप से अलग नहीं है।

ध्यान देने योग्य है कि कर दरों में कटौती सितंबर 2025 से लागू की गई थी। दिसंबर और जनवरी में उपभोग में वार्षिक गिरावट, हालांकि, 2025-26 में कुछ हद तक कम होती दिखती है। दिसंबर-फरवरी अवधि के दौरान 2025-26 में एपीसी पहले के वर्षों की तुलना में अधिक स्थिर हो जाती है। कर योग्य उपभोग की ओर देखते हुए, दिसंबर-फरवरी के दौरान देखी गई प्रवृत्तियां स्पष्ट हैं। दूसरे शब्दों में, ऐसा लगता है कि कर कटौती कुछ महीनों की देरी के साथ एपीसी में वृद्धि से जुड़ी हो सकती है। यह कहा जा सकता है कि कर दर में कमी की वजह से मांग में वृद्धि से जनसंख्या के कुछ वर्गों के लिए आय में वृद्धि होनी चाहिए, जिससे प्रोत्साहन के द्वितीय-चरणीय प्रभाव उत्पन्न होंगे। हालांकि, कर कटौती के तुरंत बाद 2025-26 में आय वृद्धि के अधिक होने का कोई प्रमाण नहीं है। 2024-25 की तुलना में 2025-26 में वृद्धि केवल जनवरी 2026 से अधिक दिखाई देती है। यहां उपलब्ध सीमित साक्ष्यों से यह प्रतीत होता है कि कर दर में बदलाव एपीसी में तुरंत वृद्धि नहीं करता। उपभोक्ता अपनी आय से उपभोग व्यय के लिए आवंटन नहीं बढ़ा रहे हैं। न ही कर कटौती के लगभग चार महीने बाद तक आय वृद्धि में मौसमी प्रभाव से अलग कोई प्रमाण मिलता है।

सत्य को धारण करने के लिए शुद्ध इच्छा शक्ति व बल चाहिए

प. पू. श्री माताजी प्रणित सहजयोग एक सत्ययोग है। सत्य के बारे में कहा जाता है कि सत्यमेवजयते अर्थात् सत्य की ही विजय होती है । उपनिषद् में वर्णित है, नायमात्मा बलहीनेन लभ्यो न अयम आत्मा बलहिजेन लभ्यो अर्थात् आत्मतत्व बलहीन व्यक्ति को नहीं प्राप्त होता। सत्य को धारण करने के लिये सूक्ष्म विचार, शुद्ध इच्छाशक्ति और बल चहिये। इसलिये सहजयोग धीरे-धीरे फैलता है। प. पू. श्री माताजी कहते हैं कि जीवंत-प्रक्रिया का विकास धीरे-धीरे होता है। उदाहरण के लिए, इस प्लास्टिक के फूल बड़ी संख्या में जल्द बना सकते हैं पर गुलाब या कोई भी अन्य फूल उगाने के लिए हमें धरती माता की शरण में जाना होगा। उस पेड़ या पौधे की, पूर्ण रक्षा कर उसका पोषण करना होगा तभी एक लम्बे समय के बाद हम उसके फल और फूल का आनंद ले सकेंगे। सहजयोग भी एक जीवंत प्रक्रिया है, जिस किसी व्यक्ति को यह योग प्राप्त होता है, उसका जीवन शांत, शीतल और सृजनशील होता है। इस योग के बारे में अन्य सभी को बताने की उमंग सदैव उसके मन में बनी रहती है। इसी के संदर्भ में हम आपको एक प्रसंग बताना चाहते हैं एक बार तीन दोस्त पार्क में बैंच पर बैठकर चर्चा कर रहे थे। उनमें से दो दोस्त धर्म और तत्वज्ञान पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। दोनों ही एक दूसरे के धर्म की आलोचना कर रहे थे। अंततोगत्वा हम दोनों में कौन श्रेष्ठ है इसका निर्णय करने के लिये वे तीसरे दोस्त के पास गये। तीसरा मित्र शांत था। उन दोनों की चर्चा साक्षी भाव से देख रहा था । जब ये दो मित्र उसके पास निर्णय सुनने के लिये गये तो उसने कहा, जब मैं आपको निर्णय दूंगा तो आप मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे। फिर भी वे दोनों कहने लगे आप चिंतनशील हैं कृपया अपना निर्णय सुनाएं । तीसरे मित्र ने कहा कि आप दोनों ही सही नहीं हैं बल्कि मैं सही हूं। दोनों मित्र आश्चर्यचकित हो गये, तीसरे मित्र ने अत्यंत शान्ती से कहा, मै ही सही हूँ, मेरा चिंतन सत्य है यह मुझे सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि जो व्यक्ति सत्य जानता है, उस सत्य को धारण करता है, उस सत्य की राह पर अडिग रहता है वो उस सत्य को अन्य सामान्य जनों पर थोपता नहीं है क्योंकि सत्य तो स्वयं प्रकाशित होता है। जैसे कि सूरज को दिया दिखाने की आवश्यकता नहीं होती है। सत्य द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत सभी को स्वयं ही स्वीकार्य होते हैं। सहजयोग भी इसी सत्य पर आधारित ब्रह्म से एकाकारिता का मार्ग है।

एक गठरी, जिसने पूरी व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया

सच का आईना अक्सर वहीं मिलता है, जहाँ नजरें कम जाती हैं। ओडिशा के एक ग्रामीण इलाके की सुनसान राह पर चलता वह व्यक्ति केवल राहगीर नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बन गया था। उसके कंधों पर रखी गठरी में कोई वस्तु नहीं, बल्कि उसकी मृत बहन के अवशेष थे–और भीतर अपमान, थकान व असहायता का गहरा बोझ था। कई किलोमीटर का यह सफर वर्षों की उपेक्षा और असमानता की खाई को पार करने जैसा था, जहाँ उसे मानवीय संवेदना की सीमा तक जाना पड़ा। उद्देश्य था–करीब बीस हजार रुपये–पर रास्ता इतना कठोर कि उसे अपनी बहन के अवशेष ही प्रमाण बनाने पड़े। यह दृश्य केवल पीड़ादायक नहीं, बल्कि भयावह है, जो व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करता है।

इसे केवल एक वायरल दृश्य मानकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ी चूक होगी। यह उस व्यक्ति की दास्तान है, जिसने व्यवस्था के दरवाज़े पर बार-बार दस्तक दी, पर हर बार कागज़ी औपचारिकताओं की दीवार से टकराकर लौटना पड़ा। वह व्यक्ति–एक अशिक्षित, दिहाड़ी मजदूर–दरअसल उसी भारत का चेहरा है, जो अक्सर योजनाओं और आँकड़ों की भीड़ में गुम हो जाता है। उसके लिए बैंक, प्रमाण-पत्र और प्रक्रियाएँ जीवन का सामान्य हिस्सा नहीं, बल्कि भय और उलझनों से भरा जाल हैं। बहन की मृत्यु के बाद बची थोड़ी-सी राशि ही उसके लिए आशा की अंतिम किरण थी। पर जब उस पर भी नियमों का कठोर पहरा लगा, तो उसका मानसिक संतुलन डगमगा गया। उसका यह कदम तर्कसंगत न हो, पर उसकी पीड़ा निस्संदेह सच्ची और असहनीय थी।

परिस्थिति का एक दूसरा आयाम भी है, जो उतना ही सख्त है और जिसे अनदेखा करना उचित नहीं। बैंक की मांग कोई मनमानी नहीं, बल्कि विधिक प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा थी। मृत्यु प्रमाण-पत्र और वारिस की पुष्टि जैसे प्रावधान उसी व्यवस्था की नींव हैं, जो छल और धोखाधड़ी को रोकती है। यदि बिना दस्तावेज़ के राशि दे दी जाती, तो वही समाज बाद में बैंक को लापरवाह ठहराता। नियम संवेदनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए जाते हैं। यह स्वीकार करना होगा कि व्यवस्था की कठोरता ही उसकी विश्वसनीयता का आधार बनती है। किंतु प्रश्न अब भी बना हुआ है–क्या इस कठोर ढांचे में मानवीय संवेदना के लिए कोई स्थान शेष है, या वह कागज़ी औपचारिकताओं के बोझ तले दबकर रह गई है?

यहीं से सवाल एक चुभती हुई सच्चाई बनकर उभरता है–दोष नियमों में है या उन्हें पाने की प्रक्रिया में? ग्रामीण भारत में मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाना भी कई लोगों के लिए कठिन काम बन जाता है। जानकारी की कमी, दफ्तरों की दूरी और भाषा-व्यवहार की खाई आम आदमी को बेबस कर देती है। उस व्यक्ति के लिए यह प्रक्रिया उतनी ही जटिल रही होगी, जितनी हमारे लिए किसी अनजाने देश के कानून समझना। उसका कदम गलत था, पर इसकी जड़ उस व्यवस्था में भी है, जिसने उसे सही रास्ता कभी दिखाया ही नहीं। जब रास्ते साफ नहीं होते, तो भटकाव मजबूरी बन जाता है।

डिजिटल दुनिया में उमड़ता गुस्सा अपने आप में एक कड़वा सच उजागर करता है। हम बिना पूरी तस्वीर देखे तुरंत व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर देते हैं, जबकि असल समस्या कई स्तरों पर फैली होती है। यह मानना सही है कि गरीबी इंसान को संवेदनशील बनाती है, लेकिन जब यही संवेदना अति में बदल जाती है, तो सच्चाई ओझल हो जाती है। बैंक को दोष देना सरल है, पर यह सवाल उठाना कठिन है कि क्या हमने अपने समाज को इतना जागरूक बनाया है कि वह इन प्रक्रियाओं को समझ सके। यह घटना केवल एक व्यक्ति का दुख नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक कमी का परिणाम है, जिसमें हम सब किसी न किसी रूप में भागीदार हैं।

अब बात सिर्फ खेद जताने तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि ठोस सुधार की मांग करती है। बैंकों और प्रशासन को यह स्वीकार करना होगा कि नियम तभी प्रभावी होते हैं, जब वे आम लोगों के लिए सहज और पहुँच में हों। ग्रामीण क्षेत्रों में सहायता केंद्र, सरल और स्पष्ट भाषा में जानकारी, तथा पंचायतों के साथ मजबूत समन्वय–ये सब अब जरूरत बन चुके हैं। संवेदनशीलता का अर्थ नियमों से समझौता नहीं, बल्कि उन्हें इस तरह लागू करना है कि हर व्यक्ति उन्हें समझ सके और अपनाने में सक्षम हो। अगर व्यवस्था लोगों तक पहुँचने में असफल रहती है, तो उसका अस्तित्व ही सवालों के घेरे में आ जाता है।

यह घटना एक गहरी और कड़वी सच्चाई को सामने लाती है–हमारी व्यवस्था ऊपर से भले ही सुदृढ़ दिखे, लेकिन उसकी जड़ों में कहीं न कहीं कमजोरी छिपी हुई है। सबसे पीछे खड़ा आम व्यक्ति आज भी जरूरी जानकारी और बुनियादी सुविधाओं से दूर रह जाता है। अक्सर ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासन की सक्रियता देखने को मिलती है, पर यह प्रश्न लगातार उठता है कि यह पहल पहले क्यों नहीं दिखाई दी? क्या हर बार हमें किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार करना पड़ेगा, तभी बदलाव की शुरुआत होगी? अब गंभीरता से सोचने का समय है कि कहीं हम ऐसा समाज तो नहीं बन गए हैं, जो केवल हादसों के बाद ही जागता और सक्रिय होता है।

अब यह पल हमसे कठोर जवाब मांग रहा है–क्या हम केवल आक्रोश में सिमटे रहेंगे, या सच में ठोस बदलाव की ओर बढ़ने का साहस करेंगे? हड्डियों की वह गठरी केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है, जिसमें संवेदनशीलता और नियमों के बीच संतुलन बुरी तरह बिगड़ चुका है। यदि हमने इस घटना से कोई ठोस सीख नहीं ली, तो कल फिर कोई आम व्यक्ति अपनी बेबसी का यही बोझ ढोता नजर आएगा। और तब हमारी संवेदनाएं भी उतनी ही भारी और सुन्न हो जाएंगी, जितना उसके कंधों पर रखा वह बोझ था।

-प्रो. आरके जैन

युद्ध का वास्तविक चेहरा मानवता पर भीषण प्रहार

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है।

युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है।

इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है। युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है।

-संजीव ठाकुर

पीएचडीः उपाधि नहीं, ज्ञान-सृजन की निरंतर यात्रा

आज के समय में पीएचडी को लेकर समाज में अनेक धारणाएँ प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे केवल डिग्री मानते हैं, कुछ इसे नौकरी पाने का साधन समझते हैं, जबकि कुछ इसे प्रतिष्ठा का प्रतीक मान बैठते हैं। सोशल मीडिया पर भी समय-समय पर ऐसे लेख और टिप्पणियाँ सामने आती रहती हैं जिनमें पीएचडी की उपयोगिता, कठिनाई और वास्तविक अर्थ पर बहस होती है। वास्तव में पीएचडी केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की सतत बौद्धिक यात्रा है। यह थीसिस लिखकर समाप्त होने वाली प्रक्रिया नहीं, बल्कि शोध-चिंतन, विश्लेषण और समाजोपयोगी योगदान की निरंतर साधना है।

पीएचडी का मूल उद्देश्य किसी विषय के स्थापित ज्ञान को दोहराना नहीं, बल्कि उसमें नया जोड़ना है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक विद्यार्थी प्रायः उपलब्ध ज्ञान को पढ़ते, समझते और परीक्षाओं के माध्यम से सिद्ध करते हैं। परंतु पीएचडी उस बिंदु से आगे की अवस्था है जहाँ शोधार्थी स्वयं प्रश्न गढ़ता है, समस्या की पहचान करता है, पद्धति चुनता है, प्रमाण जुटाता है और निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। इस अर्थ में पीएचडी सीखने से अधिक नया रचने की प्रक्रिया है।

बहुत से लोग समझते हैं कि पीएचडी का मतलब केवल मोटी थीसिस जमा कर देना है। यह सोच अधूरी है। थीसिस तो उस दीर्घ यात्रा का लिखित दस्तावेज़ है जो कई वर्षों के अध्ययन, क्षेत्रकार्य, प्रयोग, डेटा विश्लेषण, आलोचनात्मक चिंतन और संशोधन के बाद तैयार होता है। एक अच्छी थीसिस में केवल शब्दों की संख्या नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता, शोध की ईमानदारी और निष्कर्षों की उपयोगिता महत्व रखती है। यदि शोधार्थी ने समस्या को गहराई से समझा, उचित पद्धति अपनाई और निष्पक्ष निष्कर्ष दिए, तभी उसका शोध सार्थक माना जाता है।

पीएचडी शोधार्थी को धैर्य सिखाती है। शोध में अक्सर त्वरित परिणाम नहीं मिलते। कई बार महीनों का प्रयास असफल हो जाता है, परंतु शोधकर्ता पुनः आरंभ करता है। विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग विफल हो सकते हैं, समाज विज्ञान में सर्वेक्षण अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकता, साहित्य में संदर्भ सामग्री अधूरी मिल सकती है। फिर भी शोधार्थी हार नहीं मानता। यही निरंतरता उसे साधारण विद्यार्थी से शोधकर्ता बनाती है।

यह भी सत्य है कि पीएचडी केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी भी है। जब कोई व्यक्ति शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, भाषा, पर्यावरण, तकनीक या नीति से जुड़े विषयों पर शोध करता है, तो उसके निष्कर्ष समाज को दिशा दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, ग्रामीण शिक्षा पर शोध सरकारी विद्यालयों की दशा सुधार सकता है; जल संरक्षण पर शोध नीति निर्माण में सहायक हो सकता है; भारतीय भाषाओं पर शोध सांस्कृतिक विरासत को सहेज सकता है। इसलिए पीएचडी का मूल्य केवल विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित नहीं होता।

हालाँकि, यह भी स्वीकार करना होगा कि वर्तमान समय में शोध जगत अनेक चुनौतियों से घिरा है। कुछ स्थानों पर शोध की गुणवत्ता पर प्रश्न उठते हैं। कहीं मार्गदर्शन की कमी है, कहीं संसाधनों का अभाव, कहीं शोधार्थियों पर अनावश्यक प्रशासनिक बोझ, तो कहीं केवल औपचारिकता निभाने की प्रवृत्ति। कुछ लोग पीएचडी को मात्र पदोन्नति या नौकरी हेतु आवश्यक पात्रता मानकर करते हैं। इससे शोध की आत्मा प्रभावित होती है। जब उद्देश्य ज्ञान नहीं, केवल लाभ हो जाए, तो शोध सतही होने लगता है।

इस समस्या का समाधान पीएचडी की आलोचना में नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता सुधारने में है। विश्वविद्यालयों को शोध अवसंरचना मजबूत करनी होगी। प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, डिजिटल डेटाबेस, वित्तीय सहायता और सक्षम मार्गदर्शक उपलब्ध कराने होंगे। शोधार्थियों को लेखन, अनुसंधान पद्धति, नैतिकता और प्रकाशन की उचित प्रशिक्षण व्यवस्था मिलनी चाहिए। साथ ही, शोध मूल्यांकन केवल पृष्ठ संख्या या औपचारिक प्रस्तुति से नहीं, बल्कि वास्तविक योगदान से होना चाहिए।

पीएचडी में मार्गदर्शक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक अच्छा मार्गदर्शक शोधार्थी को स्वतंत्र सोचने की प्रेरणा देता है, त्रुटियाँ बताता है, दिशा देता है और मानसिक संबल भी प्रदान करता है। वहीं यदि मार्गदर्शन कमजोर हो, तो प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी भटक सकता है। इसलिए मार्गदर्शक चयन और उत्तरदायित्व की प्रणाली मजबूत होनी चाहिए।

आज के डिजिटल युग में शोध का स्वरूप भी बदल रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा, अंतर्विषयी अध्ययन, ओपन एक्सेस जर्नल, ऑनलाइन डेटाबेस और वैश्विक सहयोग ने पीएचडी को नई संभावनाएँ दी हैं। अब शोध केवल पुस्तकालय की अलमारियों तक सीमित नहीं रहा। एक भारतीय शोधार्थी विश्वस्तरीय सामग्री तक पहुँच सकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवाद कर सकता है। यह अवसर है, पर इसके साथ चुनौती भी है कि सूचना की अधिकता में गुणवत्ता और मौलिकता कैसे बनाए रखें।

पीएचडी का सबसे बड़ा गुण आलोचनात्मक चिंतन है। शोधार्थी हर तथ्य को प्रश्न की दृष्टि से देखता है। वह केवल स्वीकार नहीं करता, जाँचता है। वह केवल परंपरा नहीं दोहराता, तर्क मांगता है। यही दृष्टि समाज के लिए अमूल्य है। लोकतंत्र, नीति निर्माण, शिक्षा सुधार और सामाजिक विमर्श में ऐसे प्रशिक्षित मस्तिष्कों की आवश्यकता होती है जो भावनाओं से नहीं, प्रमाणों से सोचें।

कई बार लोग पूछते हैं–पीएचडी करने से मिलता क्या है? इसका उत्तर वेतन, पद या उपाधि तक सीमित नहीं है। पीएचडी व्यक्ति को अनुशासन, धैर्य, लेखन क्षमता, प्रस्तुतीकरण कौशल, समस्या समाधान क्षमता और गहरी बौद्धिक परिपक्वता देती है। वह जटिल प्रश्नों को व्यवस्थित ढंग से समझना सीखता है। यह क्षमता जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी है।

भारत जैसे युवा देश में शोध संस्कृति को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम केवल उपभोक्ता बने रहेंगे और नया ज्ञान उत्पन्न नहीं करेंगे, तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएँगे। तकनीक, स्वास्थ्य, कृषि, रक्षा, पर्यावरण, भाषा और सामाजिक नीति–हर क्षेत्र में स्वदेशी शोध आवश्यक है। इसलिए पीएचडी को सम्मानजनक, गुणवत्तापूर्ण और उपयोगी बनाना राष्ट्रीय आवश्यकता है।

समाज को भी पीएचडी धारकों को केवल डॉक्टर कहकर सम्मानित करने या मज़ाक उड़ाने की दो चरम सीमाओं से बाहर आना होगा। हर पीएचडी श्रेष्ठ नहीं होती, पर हर पीएचडी निरर्थक भी नहीं होती। सही दृष्टिकोण यह है कि शोध को उसके योगदान, ईमानदारी और गुणवत्ता से आँका जाए।

अंततः, पीएचडी थीसिस से आगे का सफर है। यह जिज्ञासा से आरंभ होकर ज्ञान सृजन पर समाप्त नहीं, बल्कि आगे बढ़ती यात्रा है। थीसिस उसकी मंज़िल नहीं, पड़ाव है। एक सच्चा शोधार्थी उपाधि मिलने के बाद भी प्रश्न पूछना नहीं छोड़ता। वह पढ़ता है, लिखता है, सोचता है और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में योगदान देता है।

इसलिए जब अगली बार कोई पूछे कि पीएचडी क्या है, तो उत्तर होना चाहिए–यह केवल डिग्री नहीं, बल्कि विचारों की तपस्या है; केवल थीसिस नहीं, बल्कि सत्य की खोज है; केवल उपाधि नहीं, बल्कि समाज और ज्ञान के प्रति दीर्घकालिक उत्तरदायित्व है।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

घर खरीदारों पर बढ़ा फोकस, अब अधर में लटके सपनों और अटके कर्ज को मिलेगी नई उम्मीद

ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता (संशोधन) अ?धिनियम, 2026 का पारित होना संभवतः एक ऐसा घटनाक्रम है जिसकी जरूरत महसूस की जा रही थी। यह संशोधन विधेयक 31 मार्च को लोक सभा में पारित हो गया और इसे राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई है। माना जा रहा है कि इससे घर खरीदारों के हितों की रक्षा प्रभावी ढंग से हो पाएगी। ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता (आईबीसी) के तहत रियल एस्टेट कंपनी जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) की समाधान प्रक्रिया का लंबे समय तक अटकना इस बात का ठोस उदाहरण है कि घर खरीदारों पर क्या-क्या गुजरती है।

कॉरपोरेट ऋण शोधन अक्षमता समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) अगस्त 2017 में शुरू हुई जब आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाली एक्सप्रेसवे एवं टाउनशिप डेवलपर कंपनी जेपी इन्फ्राटेक ने लगभग 8,000 करोड़ रुपये के भुगतान में चूक के बाद दिवालियापन के लिए आवेदन किया। इससे लगभग 20,000 घर खरीदार कानूनी अनिश्चितता में फंस गए।

मार्च 2023 में कई समाधान योजनाएं विफल होने के बाद राष्ट्रीय कंपनी विधि पंचाट (एनसीएलटी) ने मुंबई स्थित सुरक्षा समूह की एक समाधान योजना को मंजूरी दी जिसे कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) में 98.66 फीसदी वोट मिले। 58 फीसदी मतदान हिस्सेदारी रखने वाले घर खरीदारों ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। यह एक बड़े रियल एस्टेट सीआईआरपी में इस तरह की पहली घटना थी।

योजना में वित्तीय कर्जदाताओं को लगभग 1,300 करोड़ रुपये के अग्रिम भुगतान के साथ भूमि और गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर देने के वादे किए गए थे। सुरक्षा समूह से जुड़ी योजना में कहा गया था कि रुके हुए टाउनशिप में फ्लैट 42 महीनों के भीतर बनकर तैयार हो जाएंगे और सौंप दिए जाएंगे। 97 अधूरे टावरों का निर्माण कार्य फिर से शुरू हो चुका है और क्रियान्वयन कार्यक्रम के अनुसार फ्लैटों की पहली खेप दिसंबर 2027 तक तैयार हो जाएगी।

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि जून 2018 से अब तक हल किए गए 111 रियल एस्टेट ऋण शोधन अक्षमता मामलों के माध्यम से 1,62,000 घर खरीदारों को कब्जा मिल चुका है और लगभग 90,000 घर खरीदार ऐसे चल रहे 210 मामलों का हिस्सा हैं। इनमें 87 मामले एनसीएलटी द्वारा समाधान योजनाओं की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं जिनसे लगभग 50,000 घर खरीदारों को लाभ हो सकता है।

जेपी मामला घर खरीदारों की सामूहिक शक्ति को दर्शाता है, वहीं अमित नेहरा और अन्य बनाम पवन कुमार गर्ग और अन्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय सीआईआरपी की तकनीकी पेचीदगी में फंसे व्यक्तिगत फ्लैट खरीदारों की रक्षा करता है।

इस मामले में खरीदार ने 2010 और 2011 के बीच औपचारिकताएं पूरी करने के बाद 60.06 लाख रुपये के एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर और 57.56 लाख रुपये का भुगतान कर मोहाली के सेक्टर 99 में प्यूमा रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित आईआरईओ राइज (गार्डनिया) परियोजना में एक अपार्टमेंट खरीदा था। हालांकि, उसे कभी कब्जा नहीं दिया गया। अक्टूबर 2018 में डेवलपर के खिलाफ सीआईआरपी दायर किया गया मगर उपभोक्ता शिकायत खारिज कर दी गई और फ्लैट खरीदार को अन्य लेनदारों के साथ ऋण शोधन अक्षमता प्रक्रिया में धकेल दिया गया। बाद में समाधान पेशेवर ने 57.56 लाख रुपये के दावे को वित्तीय ऋण के रूप में स्वीकार कर लिया।

हालांकि, स्वीकृत समाधान योजना में एक शर्त यह डाल दी गई कि 'देर से दावा करने वाले अपुष्ट दावेदारों' को केवल 50 फीसदी राशि वापस मिलेगी और उन्हें फ्लैट पर कब्जा करने का कोई अधिकार नहीं होगा। एनसीएलटी (जुलाई 2023) और एनसीएलएटी (जनवरी 2025) दोनों ने इसे स्वीकार कर लिया और फ्लैट मालिक को अपार्टमेंट देने से इनकार कर दिया और दावा सत्यापित और स्वीकार किए जाने के बावजूद जमा की गई राशि का आधा हिस्सा ही मिला।

सर्वोच्च न्यायालय ने 9 सितंबर 2025 को एनसीएलटी और एनसीएलएटी दोनों के आदेशों को पलटते हुए कहा कि एक बार जब किसी घर खरीदार के दावे को समाधान पेशेवर द्वारा सत्यापित और स्वीकार कर लिया जाता है तो उसे देर से दावा करने वाला नहीं कहा जा सकता। न्यायालय ने आदेश दिया कि दो महीने के भीतर संबंधित अपार्टमेंट सौंप दिया जाए।

इन ब

मेहनत की कमाई चुराई, लेकिन बच न सका—ऑपरेशन त्रिनेत्रम की नजर से 24 घंटे में दबोचा शातिर चोर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान की मेहनत की कमाई चोरी करने वाला शातिर आरोपी पुलिस की पैनी नजर से ज्यादा देर तक बच नहीं सका। अनाज मंडी में फसल बेचकर लौट रहे किसान की गाड़ी से 1.86 लाख की नकदी चुराने वाले आरोपी को पुलिस ने मात्र 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया।

घटना राजोदा रोड स्थित पेट्रोल पंप पर हुई, जहां किसान पानी भरने गया और इसी दौरान चोर ने गाड़ी की डिक्की से नगदी पार कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी राजा उर्फ अब्दुल रजाक को दबोच लिया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.85 लाख नगद, घटना में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी और हेलमेट जब्त किया है। कुल जब्ती करीब 2.45 लाख आंकी गई है।

इन अधिकारियों के मार्गदर्शन में मिली सफलता- पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी नाहर दरवाजा निरीक्षक आलोक सोनी के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

सराहनीय भूमिका में शामिल टीम- उनि गणेशलाल जटिया, प्रआर नितेश द्विवेदी, रवि भदौरिया, यशवंत तोमर, आर नवदीप, योगेन्द्र, विकास पटेल, धर्मेन्द्र, आर मातादीन (सिविल लाइन), आर नवीन पटेल (कोतवाली), आर संदीप यादव (बैंक नोट प्रेस), आर लक्ष्मीकांत (औद्योगिक क्षेत्र) तथा सायबर सेल प्रभारी प्रआर शिवप्रताप सिंह सेंगर, सचिन चौहान, मप्रआर गीतिका कानूनगो, मुर्तजा, मआर आरती सिंह, नैना खान, निशा पाटोरिया, आर राहुल बड़ोले एवं मोनू राणावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बालगढ़ तालाब पर किया श्रमदान

आयुक्त ने दिलाई जल संचय की शपथ, महापौर ने कहा- तालाब का संरक्षण नागरिकों की जिम्मेदारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार 1 मई को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बालगढ़ तालाब पर प्रात: 8.30 बजे श्रमदान किया गया। आयुक्त दलीप कुमार ने महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल, विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, वार्ड पार्षद राजा अकोदिया, वार्ड के बड़ी संख्या में उपस्थित रहवासियों, निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा आईईसी से ओम साई विजन व फीडबैक संस्था की टीम के सदस्यों के साथ स्वच्छता एवं जल संचय की शपथ दिलाई।

श्रमदान में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा- शपथ के पश्चात बालगढ़ तालाब पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें महापौर, विधायक प्रतिनिधि, आयुक्त, वार्ड पार्षद के साथ उपस्थित सभी ने तालाब के आसपास श्रमदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सफाई की गई। महापौर ने श्रमदान के दौरान बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान में हम सभी को सहभागी बनकर जलाशयों को स्वच्छ एवं सुंदर रखना है। महापौर ने उपस्थित रहवासियों से कहा कि इस सुंदर तालाब का संरक्षण करना आपकी जवाबदारी है।

हर घर में लगाएं रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम- विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने कहा कि तालाब में कचरा एवं गंदगी नहीं डालने हेतु लोगों को जागरूक करें तथा तालाब को स्वच्छ रखें। हमें हर घर में वर्षा के जल को बोरवेल में उतारकर जल का संचय करना है। जिन घरों में बोरवेल है वे रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अवश्य लगवाएं। आयुक्त ने वार्ड पार्षद के साथ तालाब के पास स्थित गार्डन हेतु खुली भूमि का निरीक्षण भी किया और बड़ी संख्या में पौधारोपण किए जाने हेतु कहा ताकि तालाब के आसपास स्वच्छ वातावरण एवं हरियाली रहे। इस अवसर पर निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेड़ेकर, प्र.कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती, जगदीश वर्मा, एसबीएम प्रभारी सौरभ त्रिपाठी, सहायक यंत्री जितेन्द्र सिसोदिया, राजस्व अधिकारी अनुभूति श्रीवास्तव, स्वच्छता निरीक्षक हरेन्द्रसिंह ठाकुर, भूषण पावार, विशाल जोशी, अरूण तोमर, सूर्यप्रकाश तिवारी आदी।

देवर्षि नारद जयंती पर 3 मई को विशेष आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व संवाद केंद्र मालवा द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी देवर्षि नारद जयंती के पावन अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 3 मई 2026, रविवार को प्रातः 10ः00 बजे वरिष्ठ नागरिक संस्था, देवास में आयोजित होगा। इस संबंध में अमित राव पवार, देवास द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि देवर्षि नारद जयंती का यह आयोजन संवाद और पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा को स्मरण करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। हिंदू धर्मग्रंथों में देवर्षि नारद को देवताओं के दूत, प्रथम संवाददाता और त्रिलोक विख्यात मुनि के रूप में माना जाता है। वे अपने वीणा वादन और 'नारायण-नारायण' के उच्चारण के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। उन्हें ज्ञान, संचार और सत्य के प्रसार का प्रतीक माना जाता है। आधुनिक पत्रकारिता में भी देवर्षि नारद को प्रेरणा स्रोत के रूप में देखा जाता है, क्योंकि उन्होंने सत्य और सूचनाओं को समाज तक पहुंचाने का कार्य किया। कार्यक्रम में देवर्षि नारद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जाएगा, साथ ही पत्रकारिता के मूल्यों और वर्तमान परिदृश्य पर भी चर्चा की जाएगी।

शोध पूरा कर जापान से लौटे इसरो वैज्ञानिक काव्यांश का किया स्वागत

हिरोशिमा यूनिवर्सिटी में तीन महीने तक चला शोध

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एबी रोड स्थित कौटिल्य एज्यूकेशन एकेडमी के छात्र व इसरो वैज्ञानिक काव्यांश यादव का शुक्रवार को विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया। वे जापान से तीन माह बाद अपना शोध पूरा कर लौटे। जो अब देश के प्रदूषण की समस्या का समाधान खोज रहे हैं। यदि सब कुछ सही रहा तो जल्द ही इस समस्या का समाधान होगा और सभी को शुद्ध वातावरण मिलेगा।

गौरतलब है आज के समय में बढ़ता प्रदूषण पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। इससे निपटने के लिए हाइड्रोजन (एच2) सबसे प्रमुख वैकल्पिक ईंधन के रूप में उभर रहा है। इसी दिशा में एक शानदार कदम उठाते हुए काव्यांश ने अपनी डिग्री के तहत जापान की प्रतिष्ठित हिरोशिमा यूनिवर्सिटी में तीन महीने का एक अहम शोध प्रोजेक्ट पूरा किया है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य हाइड्रोजन ईंधन में आयरन पाउडर को एक एडिटिव (योजक) के रूप में इस्तेमाल करके इसकी दक्षता और ऊर्जा क्षमता को बढ़ाना था। पर्यावरण के अनुकूल और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने वाला यह अभिनव प्रयास भविष्य के हरित ईंधन परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा।

स्वागत कर दी शुभकामना- अपने व्यस्ततम कार्यक्रम में से समय निकालकर काव्यांश शुक्रवार को शाजापुर लौटा, जिनका स्वागत विद्यालय संचालक ब्रजेश यादव व संचालिका शशि यादव, आर्यन यादव, प्राचार्य नरेंद्रसिंह डोडिया, प्रशासनिक समिति अधिकारी पंकज यादव ने स्वागत कर शुभकामनाएं दी। संचालक श्री यादव ने बताया कि हमारी शुभकामनाएं काव्यांश के साथ हैं जो देश के विकास में अपना योगदान देकर देशवासियों के विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

हज यात्रियों का स्वागत कर दी शुभकामनाएं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम बेरछा में समाजसेवी हाजी मुन्ना पठान के नेतृत्व ने मुस्लिम समाज के पवित्र तीर्थ स्थल मक्का मदीना की जियारत पर हज के लिए जा रहे हाजी सत्तार लाला झीन वाले के सुपुत्र हाजी साहेबान रज्जाक लाला, पूर्व सदर साहब एव आयशा, अनवर लाला, उनकी धर्म पत्नी का स्वागत किया गया। इस दौरान सभी हज यात्रियों को पुष्प माला, शाल, श्रीफल भेंट किया गया। इस अवसर पर श्री राम मंदिर के महेश व्यास गुरु, आयशा मस्जिद पेश इमाम हाजी अलाउद्दीन, महंत घनश्यामदास गुरु जी, सदर रईश शेख, डॉ सीपी नाहर, डॉ अकबर अली ख़ान, अब्दुल रशीद लाला, असलम मामू, बंटी सोनी, विशाल सिंदल, यूसुफ़ मम्मा, एडवोकेट जावेद पठान, अय्यूब लाला, नितेश जैन, इमरान लाला, लुकमान बाबा, सईद पठान व सावेद पठान सहित बेरछा व आसपास के सभी समाज के समाजजन एव वरिष्टजन उपस्थित थे।

देवास की बेटी का राष्ट्रीय स्तर पर जलवा: आर्या शुक्ला ने जीता प्रथम स्थान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के Jabalpur में आयोजित प्रतिष्ठित Rewa Mahotsav के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता में देवास की बेटी आर्या शुक्ला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में 11 से 15 वर्ष तक की कत्थक केटेगरी में आर्या ने अपनी अद्भुत प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। उनकी भाव-भंगिमा, लय और तकनीकी दक्षता ने निर्णायकों को प्रभावित करते हुए उन्हें प्रथम स्थान दिलाया। इस उपलब्धि से देवास शहर में खुशी का माहौल है। परिजनों, गुरुओं और शहरवासियों ने आर्या को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। आर्या की इस सफलता ने देवास का नाम राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है और अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है।

घर-घर आएंगे शिक्षक-शिक्षिकाएं, पूछेंगे 33 सवाल, जनगणना का काम शुरू, विकास योजनाओं के आधार पर बनेगी योजना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में शुक्रवार से जनगणना कार्य का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य के लिए जिला प्रशासन ने शिक्षकों को प्रगणक (जनगणना कर्मी) के रूप में तैनात किया है। ये शिक्षक जिले के प्रत्येक घर में दस्तक देकर निर्धारित 33 बिंदुओं पर जानकारी एकत्र करेंगे।

इस जनगणना कार्य को त्रुटिरहित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। इसमें फार्म भरने की बारीकियों, डेटा संकलन की प्रक्रिया और नागरिकों से संवाद के तरीकों के बारे में विस्तार से समझाया गया और नियुक्त किए गए शिखक-शिक्षिकाओं ने भी इस जिम्मेदारी को समय सीमा में पूर्ण करने का संकल्प लिया है।

इन 33 प्रमुख सवालों पर होगी गणना- जनगणना के दौरान पूछे जाने वाले सवालों को मुख्य रूप से आवास की स्थिति, सुविधाओं और परिवार की जानकारी के आधार पर बांटा गया है। इसमें आवास की जानकारी जिसमें भवन और मकान नंबर, मकान के फर्श, दीवार और छत में प्रयुक्त सामग्री, मकान का उपयोग और उसकी वर्तमान स्थिति शामिल रहेगी। पारिवारिक विवरण में मुखिया का नाम, सदस्यों की संख्या, लिंग, जाति और वैवाहिक स्थिति को शामिल किया जाएगा। बुनियादी सुविधाओं में पेयजल का स्रोत, बिजली का साधन, शौचालय और स्नानघर की उपलब्धता, गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था और खाना पकाने का ईंधन (गैस कनेक्शन)। आर्थिक एवं जीवन स्तर में रेडियो, टीवी, इंटरनेट, लैपटॉप/कंप्यूटर, मोबाइल/स्मार्टफोन, वाहन (साइकिल/कार/जीप) और मुख्य रूप से उपयोग किया जाने वाला अनाज।

विकास योजनाओं के आधार बनेंगे ये आंकड़े- अधिकारियों ने बताया कि इस डेटा का उपयोग भविष्य की कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करने में किया जाएगा। सटीक आंकड़ों से जिले की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन संभव हो सकेगा। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे शिक्षकों को सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर इस राष्ट्रीय कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें।

परिणय सूत्र में बंधे 19 नवयुगल

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय से करीब 7 किमी दूर ग्राम बरवाल स्थित राजपूत समाज छात्रावास परिसर में शुक्रवार को समाज का 18वां सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ। राजपूत समाज सामूहिक विवाह समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में एक ही मंच पर 19 जोड़ों का विवाह हुआ। समाज के वरिष्ठजनों और परिजनों की उपस्थिति में सभी जोड़ों ने वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में संत गोविंद जाने शामिल हुए। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विवाह बंधन में बंधे सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। संत ने नवदंपतियों को सुखी वैवाहिक जीवन के सूत्र बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समिति के वरिष्ठ सदस्य वीरेंद्र सिंह गोहिल ने बताया कि समाज द्वारा प्रतिवर्ष इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह का मुख्य उद्देश्य सामाजिक एकता को मजबूत करना और विवाहों में होने वाले अनावश्यक खर्चों को कम करना है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलती है। कार्यक्रम के समापन पर समिति द्वारा सभी 19 जोड़ों को घरेलू उपयोग की वस्तुएं और उपहार भेंट किए गए। समाज के लोगों ने सादगीपूर्ण विवाह की इस परंपरा की सराहना की। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज बंधु और ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर हुआ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितार्थ, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शाजापुर द्वारा ÷श्रमिक विधिक सेवा अभियान÷ के अंतर्गत शुक्रवार कोकृषि उपज मंडी शाजापुर परिसर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर अध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन एवं सचिव श्रीमती नमिता बौरासी के निर्देशन में संपन्न हुआ। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सहायता अधिकारी शिखा शर्मा उपस्थित थी। शिविर में श्रीमती शिखा शर्मा द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को उनके विधिक अधिकारों, श्रम कानूनों एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, श्रमिक कल्याण योजनाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रावधानों के विषय में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं पैरा लीगल वालेंटियर्स द्वारा श्रमिकों की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान एवं आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर द्वारा सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

एनजीटी के नियमों का सरेआम हो रहा उल्लंघन, कचरे में लगाई जा रही आग, कार्रवाई नहीं होने से लगातार हो रही घटनाएं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के नियमों का सरेआम उल्लंघन हो रहा है। नगरभर में कई स्थानों पर कचरे में आग लगाई रहे है। कार्रवाई नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही है। हालांकि अब नगर पालिका का कहना है कि उनके द्वारा इस पर निगरानी रखी जा रही है। यदि कोई कचरा जलाते हुए पाया गया तो कड़े जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

नगर में कई स्थानों पर लोगों द्वारा कचरे के ढेर में आग लगा दी जाती हैं। आए दिन यही होता आ रहा है। जिस स्थान पर कचरे में आग लगाई जाती है उसके आसपास के रहवासी कचरा जलने से उठने वाले धुएं के कारण परेशान होते रहते है। क्योंकि गर्मी के मौसम में कूलर-पंखे चलने से धुंआ घर में भी घुसता है। इस कारण लोगों की परेशानी ज्यादा बढ़ गई। दिसंबर 2016 में ही एनजीटी ने नियम पारित किया था कि अब से यदि कोई भी व्यक्ति खुली जगह पर कचरे को जलाएगा तो संबंधित प्रत्येक पर 25 हजार रुपए का जुर्माना किया जाएगा। इस नियम की अधिकारियों को भी है, लेकिन आज तक एक भी प्रकरण में जुर्माना नहीं हुआ। नगर में लगभग प्रतिदिन सुबह से ही कचरे में आग लगी हुई दिखाई देती है। लोगों ने नगर पालिका को इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की गई।

कई जगह जलाया जाता है कचरा- नगर में कई स्थानों पर कचरे को एकत्रित करके जलाया जाता है। इससे आसपास के लोगों को बहुत ज्यादा परेशानी होती है। इसके बाद भी इसे रोकने वाला कोई नहीं रहता है। नगर में जगह-जगह पड़े कचरे में आग लगा दी जाती है। इससे उठने वाला धुंआ सभी के लिए परेशानी का कारक बनता है। लोगों की मांग है कि इस तरह कचरा जलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए और कचरा जलाने से रोका जाए।

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर समस्या को किया हल- नगर के लालबाई-फुलबाई माता मंदिर रोड स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड पर भी लंबे समय तक कचरे के ढेर से धुंआ उठता रहा। यहां पर किसने आग लगाई ये भी कभी पता नहीं लग पाया। ये धुंआ आसपास के रहवासियों के लिए परेशानी बनता जा रहा था। हालांकि इस मामले में पत्रिका द्वारा खबर प्रकाशित करने के बाद नगर पालिका ने इस पर ध्यान दिया और यहां की परेशानी को हल किया जा रहा है। यहां लगे कचरे के ढेर को ही हटाया जा रहा है। जिससे यहां पर परेशानी का स्थाई समाधान हो सके।

अभी यही पर फैंका जा रहा कचरा- नगर में से एकत्रित किए गए कचरे को नगर में स्थिति ट्रेंचिंग ग्राउंड पर ही फैंका जा रहा हैं। जबकि पूर्व में ग्राम भिलवाड़िया के बाहर की ओर से करीब 25 बीघा भूमि को ट्रेंचिंग ग्राउंड के लिए आवंटित किया गया जा चुका है। यहां पर शाजापुर नगर का कचरा फैंका जाने की बात कही गई थी। यह भी बताया गया था कि जल्द ही यहां पर कचरे का निस्तारीकरण करने के लिए यूनिट लगाई जाएगी। जिसके टेंडर जारी किए जाएंगे, लेकिन ये प्रक्रिया अभी अधर में ही दिखाई दे रही है। क्योंकि नपा के अनुसार जो भूमि उन्हें दी गई है वो पहाड़ी क्षेत्र है। ऐसे में उपर ले जाकर कचरे को डंप नहीं किया जा सकता। इसके चलते नपा द्वारा जिला प्रशासन से दूसरी समतल भूमि की डिमांड की गई है। देखना होगा कि कब तक दूसरी भूमि आवंटित होती है और कब नगर के बीच में से कचरे की समस्या को दूर किया जाता है।

इनका कहना है- कचरा जलाना एनजीटी के नियमों के विरुद्ध है। ऐसा करने पर जुर्माना का भी प्रावधान है। यदि कोई भी कचरा जलाता है तो उस पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। हमारे पास भी कुछ कर्मचारियों की कचरा जलाने संबंधी शिकायतें आई है। ऐसे में सख्ती बरती जाएगी और कचरा जलाने वालों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

- भूपेंद्रकुमार दीक्षित, सीएमओ-शाजापुर

जनगणना 2027: आज से शुरू हुआ प्रथम चरण, 30 मई तक चलेगा मकान सूचीकरण

देवास में 440 प्रगणक और 69 पर्यवेक्षक नियुक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण का कार्य आज 1 मई से प्रारंभ हो गया। यह चरण मकान सूचीकरण का है जो 30 मई तक चलेगा। नगर निगम देवास अंतर्गत नगरीय क्षेत्र को कुल 440 जनगणना ब्लॉकों में बांटा गया है।

440 प्रगणक करेंगे सर्वे- प्रत्येक ब्लॉक के लिए 1-1 प्रगणक की नियुक्ति की गई है। इस तरह कुल 440 प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। कार्य के सुपरविजन के लिए प्रत्येक 6 ब्लॉक पर 1 पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। कुल 69 पर्यवेक्षक बनाए गए हैं। प्रत्येक प्रगणक अपने आवंटित ब्लॉक में स्थित प्रत्येक भवन का सर्वेक्षण कर निर्धारित जानकारी एकत्रित करेंगे।

1 मई से सभी प्रगणकों ने अपने अपने गणना ब्लाकों का भ्रमण, ब्लॉक-वार्ड की पहचान और भवनों पर नंबर अंकित करने का काम आरंभ किया। इसके बाद 4 मई से प्रगणक फील्ड में जाकर जानकारी एकत्रित करने का कार्य शुरू करेंगे।

नगर निगम देवास के प्रमुख जनगणना अधिकारी, आयुक्त दलीप कुमार ने सभी शहरवासियों से अपील की है कि प्रगणकों को सही जानकारी देकर जनगणना कार्य में सहयोग करें।

उपार्जित गेहूं को बारिश से सुरक्षित रखने के लिए त्वरित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर हो रहे गेहूं उपार्जन को संभावित असामयिक वर्षा से सुरक्षित रखने के लिए कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने जिले के सभी उपार्जन केंद्रों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में बारिश की संभावना जताई गई है, ऐसे में उपार्जित गेहूं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

कलेक्टर श्री बालागुरु के ने निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों पर संग्रहित गेहूं का शीघ्र परिवहन कर सुरक्षित गोदामों में भंडारण किया जाए। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त ट्रकों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। साथ ही किसानों से खरीदी जा रही उपज की तौल में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त कांटे एवं श्रमिकों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस्कॉन उज्जैन के सह अध्यक्ष श्रीपाद बृजेंद्र कृष्ण प्रभु ने 'इफेक्टिव वेज ऑफ स्ट्रेस मैनेजमेंट' पर जिला न्यायाधीशों को दी वर्कशॉप

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। न्याय का मंदिर (उज्जैन जिले के सभी न्यायाधीश) इस्कॉन मंदिर में पधारे। इस्कॉन की तरफ से राघव पण्डित दास ने जिला जज पुराण चंद्र गुप्ता जी का हार्दिक स्वागत अभिनंदन और कृतज्ञता का ज्ञापन द्वारा किया गया । मन्दिर पूजन और नौका विहार का आनन्द लेकर सभी मुख्य सत्र में सम्मिलित हुवे। इस्कॉन उज्जैन के सह अध्यक्ष श्रीपाद बृजेंद्र कृष्ण प्रभु ने उज्जैन इस्कॉन मंदिर, ऑडिटोरियम में 30 अप्रैल 2026 को शाम 6ः30 बजे कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम का मुख्य विषय तनाव प्रबंधन के प्रभावशाली मार्ग पर अपना व्याख्यान दिया।

श्रीपाद बृजेंद्र कृष्ण प्रभु ने 2008 में ह्वड्ढञ्ज क्वद्धश्रश्चड्डद्य से अपना इंजीनियरिंग पूर्ण किया उसके बाद रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में 2.5 वर्ष असिस्टेंट मैनेजर के रूप में अपनी सेवाएं दी, उसके उपरांत इस्कॉन में ब्रह्मचारी आश्रम में पूर्ण जीवन को समर्पित कर दिया

प्रभु जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारा मन कई बार नकारात्मक विचारों से विचलित हो जाता है- कैसे एक अस्वस्थ मन हमें अनुचित प्रतिस्पर्धा में लगा देता है, मिथ्या अहंकार द्वारा हम कई बार गलत निर्णय ले लेते है, जिससे हम गलत निर्णय ले लेते है यदी हम मन के ढांचे को सुधार ले तो हम प्रसन्नता से अपना जीवन जी सकते है एवं मन हमारा सबसे बड़ा शत्रु भी होता है एवं सबसे बड़ा मित्र भी होता है अगर हम मन का प्रयोग सही तरह से करना सीख गए तो हम बहुत सुकून,शांति एवं आनंद से जीवन जी सकते है शरीर के साथ-साथ में हमें अपने मन का भी ध्यान रखना होता है अगर शरीर स्वस्थ है एवं मन संतुष्ट है तो हम जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं एवं सभी चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकते हैं।

नकारात्मक विचार हमारी ऊर्जा को कम करते हैं, तथा हमारे कार्य करने की पूर्ण क्षमता को भी कम कर देते हैं, जीवन में हम शरीर पर तो ध्यान देते हैं लेकिन मन कभी-कभी अस्वस्थ रहता है, एक स्वस्थ मन एवं संतोष, स्वस्थ जीवन का अभिन्न अंग है शरीर स्वस्थ+मन संतुष्ट=प्रसन्न जीवन यह सूत्र भी प्रभु ने बताया मानसिक संतुलन हर क्षेत्र में आवश्यक है अगर हम अपने अनर्थों व बुरी आदतों पर कार्य करते हैं और हम अपने मानसिक ढांचे को सुधार लेते हैं तो हम बहुत ही ज्यादा ऊर्जा के साथ कार्य कर सकते हैं प्रभु ने आगे बताया की हम अपने परिवार के साथ ज्यादा समय अगर ना भी बिता पाए तो जब भी हम परिवार के साथ रहे एक अच्छा व मधुर समय साथ बिताए व रिश्ते में सामंजस्य को बढ़ाएं, प्रेम, सम्मान, विश्वास यह ऐसी चीज हैं कि हम अपनी व्यस्तता में भी इन तीन तत्वों के माध्यम से मधुर संबंध बनाकर रख सकते हैं जिससे हम कम समय देकर भी उनके साथ एक मधुर संबंध स्थापित कर सकते हैं।

अंत में प्रभु जी ने बताया कि अगर हम प्रसन्नता चाहते हैं तो उसका एक सूत्र है- प्रसन्नता=संसाधन/इच्छाएं संतुष्टि= प्रदर्शन/आकांक्षाएं इस माध्यम से प्रभु जी ने अपना विषय रखा।

कार्यक्रम में प्रमुख जिला न्यायाधीश श्री पूर्ण चंद्र गुप्ता जी ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि ऐसे कार्यक्रम मध्यप्रदेश में अन्य स्थानों पर भी आयोजित होने चाहिए जिससे यह लाभ सभी को मिले।

सभी न्यायाधीशों को मंदिर दर्शन, एकादशी प्रसाद, श्रील प्रभुपाद की पुस्तके, एवं मंदिर की व्यवस्था बहुत पसंद आई, सभी ने खूब आनंद की अनुभूति की।

वैशाख पूर्णिमा को किया हिंगलाज माता का श्रृंगार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी मैं वैशाखी पूर्णिमा को माता को नये वस्त्र धारण कराकर किया हिंगलाज माता का विशेष श्रृंगार पश्चात किया भगवान विष्णु माता लक्ष्मी का पूजन,, पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया की वैशाखी पूर्णिमा को भगवान विष्णु के 9 अवतार भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था पूर्णिमा का व्रत कर भगवान विष्णु लक्ष्मी का पूजन करने पर मानसिक शांति, पाप मुक्ति, ओर दान पुण्य करने से परिवार को सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है यह जानकारी पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने दी।

सुसनेर पुलिस की अनोखी पहल, पक्षियों के लिए की जल व्यवस्था

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच जहां इंसान ही नहीं बल्कि पशु-पक्षी भी पानी की कमी से जूझ रहे हैं, वहीं सुसनेर थाना प्रभारी अक्षय बेस द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। गुरुवार को थाना परिसर में पक्षियों के लिए जल पात्र (पानी के बर्तन) स्थापित किए गए, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी उपलब्ध हो सके।

थाना प्रभारी अक्षय बेस ने बताया कि गर्मी के मौसम में अक्सर पक्षियों को पानी नहीं मिल पाता, जिससे उनकी जान पर बन आती है। इसे ध्यान में रखते हुए थाना परिसर में विभिन्न स्थानों पर जल पात्र रखवाए गए हैं, जिनमें नियमित रूप से पानी भरा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य पक्षियों को राहत पहुंचाना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

इस दौरान थाना स्टाफ भी मौजूद रहा और सभी ने इस पहल की सराहना की। साथ ही आम नागरिकों से भी अपील की गई कि वे अपने घरों, दुकानों और आसपास के स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें, जिससे इस भीषण गर्मी में उन्हें राहत मिल सके। स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी की इस पहल को मानवीय संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए सराहा है।

जन्मदिवस पर रचनात्मक पहल पक्षियों के लिए जल पात्र बांधकर दिया सेवा का संदेश

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया भीषण गर्मी के कारण अब कंठ सूखने लगे हैं मानव तो हर कहीं से अपनी प्यास बुझा सकता है लेकिन मुक पक्षी पानी के अभाव में इधर-उधर भटकते रहते हैं गुरुवार को श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने अपने जन्म दिवस पर एक अनूठी पहल करते हुए पेड़ों पर जल पात्र बांधकर पक्षियों के प्रति सेवा भाव का संदेश दिया इस अवसर पर ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार गेहलोत समाजसेवी माधव महेश्वरी संपत महेश्वरी गजराज सिंह जायसवाल बाबूलाल मालवीय गोपाल प्रसाद व्यास

आमीर उल्लाह खान अशोक राठौर गोलू गुप्ता उपस्थित थे अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यों से मंन को बहुत ही सुकून मिलता है जन्मदिन पर खर्च होने वाली राशि को बचाकर पक्षियों के लिए दाना पानी एवं जल पात्र क्रय करने हेतु 2100 रूपये की राशि जिला अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार गेहलोत एवं महिला मंडल की पदाधिकारीयों को प्रदान की समाज सेवी माधव माहेश्वरी गजराज सिंह जायसवाल गोपाल प्रसाद व्यास बाबूलाल मालवीय ने इस पहल को रचनात्मक पहल बताते हुए सेवा कार्यों की मुक्ति कंठ से सराहना करते हुए जन्म दिवस की बधाइयां प्रेषित की।

त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर जिर्णोद्धार का भुमि पूजन सम्पन्न

जल स्त्रोत को सहेजने की दिशा में होगा बावड़ी का सौंदर्यीकरण

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नगर के जर - जर धार्मिक स्थलो का हिन्दू पंचान समिति के बैनर तले भक्तो के सहयोग से जिर्णोद्धार किया जा रहा है। इसी कड़ी में संगम चौराहा, पशु चिकित्सालय के पास अति प्राचीन जल स्त्रोत (बावड़ी) पर स्थित भगवान भोलेनाथ के धाम त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर का जिर्णोद्धार किया जा रहा है। जिसका भुमि पुजन 1 मई वैशाख पूर्णिमा पर पुजन अर्चन व मंत्रोच्चार के साथ पण्डित

जगदीश शर्मा के आचार्यत्व में हिन्दू पंचान समिति अध्यक्ष प्रेमचंद त्रिवेदी, सदस्य विराग मिश्रा, सत्यनारायण शर्मा प्रबंधक, सुरेश भावसार, सतीश वर्मा, पण्डित आशिष व्यास, कमल पांचाल, प्रेमचंद खिंची,मनीष पोरवाल,वरूण मिश्रा, अजय राठौड़, ठेकेदार ओमप्रकाश, भीम सिंह सहित उपस्थित गणमान्यजन की उपस्थिति में गेती चलाकर किया गया। साथ ही जल स्त्रोत सरंक्षण व सहेजने की दिशा में उक्त जल स्त्रोत के गहरीकरण का कार्य भी शुरू किया गया। मंदिर जिर्णोद्धार व सौन्दर्यीकरण के उक्त निर्माण कार्य में तन मन धन से सहयोग की अपील हिन्दू पंचान समिति द्वारा सभी भक्तो से की गई है। जानकारी हिन्दू पंचान समिति व्यवस्थापक अजय राठोड़ ने दी।

कलेक्टर ने नगर परिषद मेघनगर का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने नगर परिषद मेघनगर का निरीक्षण कर जनगणना संबंधी कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रगणकों, पर्यवेक्षकों, चार्ज अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनरों से चर्चा कर कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों ने बताया कि ॥स्ह्र ऐप डाउनलोड कर लॉग-इन की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है तथा ऐप के माध्यम से जनगणना संबंधी कार्य संपादित किए जा रहे हैं। साथ ही ॥स्ह्र के भ्रमण कर मकान क्रमांकों का सत्यापन भी किया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का लॉग-इन सुनिश्चित किया जाए तथा चार्ज अधिकारी प्रतिदिन इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

कलेक्टर ने नगर परिषद क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित करने के निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में मेघनगर की रैंकिंग सुधारने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को इस संबंध में प्रभावी प्लान बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नगर के बस स्टैंड एवं प्रमुख चौराहों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। साथ ही नगर में यातायात एवं कंजेशन की समस्या के स्थायी निराकरण के लिए समुचित प्लानिंग करने को कहा। कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगर में स्वच्छता एवं साफ-सफाई के कार्य जनसहभागिता के माध्यम से संचालित करने पर भी जोर दिया।

सर्वांगीण विकास एवं मूलभूत सुविधाओं के सुदृढीकरण के संकल्प के साथ विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। विधानसभा के ग्राम पंचायत उमरिया, सरसाना, घुड़ावन, बालोदालक्खा, बालोदाकोरन में जनप्रिय विधायक श्री जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या के आतिथ्य में 2 करोड़ 57 लाख 55 हजार की लागत के विभिन्न विकास कार्यो का भूमि पूजन एवं लोकार्पण संपन्न हुआ। विकास योजना अन्तर्गत सामुदायिक भवन, शेड निर्माण, पानी की टंकी, बाउण्ड्रीवाल, सीसी रोड़, एवं नाली निमार्ण चंबल नदी पर घाट निर्माण सहित अनेक विकास कार्यो का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। ये कार्य ग्रामीण क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के साथ साथ आवागमन तथा जल निकासी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित होगी जिससे ग्रामीणजनो को बड़ी राहत मिलेगी ।

इस अवसर पर विधायक श्री पण्ड्या ने कहां की जनसेवा एवं क्षेत्र के विकास के लिए निरन्तर प्रतिबद्ध हूँ। जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हमारी पहली प्राथमिकता है। जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए सतत प्रयासरत रहूँगा।

भूमि पूजन एवं लोकार्पण के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अंतरसिंहजी देवड़ा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि उमरावसिंह राठौर, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजबसिंह देवड़ा, राप्रसाद पण्ड्या जिला पंचायत सदस्य, जगदेवसिंह बना नौगांवा, प्रहलादसिंह देवड़ा, महेश हारोड़ बड़नगर ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष, गोपाल आंजना इंगोरिया मण्डल अध्यक्ष, विजयराजसिंह राठौर मण्डल अध्यक्ष खरसोदकलां, इन्द्रपालसिंह पण्ड्या पूर्व मण्डल अध्यक्ष, गोरधनसिंह पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता, आशिक पटेल उमरिया वरिष्ट भाजपा नेता शिवराम जाट, प्रवीण यादव, रमेश गिरवाल, विरमसिंह देवदा, सरपंचद्वय श्रीमती सीताबाई बाबुलाल, श्रीमती निर्मला मोहब्बत मकवाना, डॉ रविकान्त त्रिवेदी, राजाराम गेहलोत, बृजलाल चैहान, कुन्दन डोडिया, युसूफ पटेल एवं समस्त पंचायतो के पंचगण, सचिव, सहायक सचिव व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

स्वर्गीय सेठ श्री नानालाल नाहर की स्मृति मे वाटर कुलर का हुआ लोकापर्ण

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वर्गीय सेठ श्री नानालाल नाहर की स्मृति में जैन सोशल ग्रुप नागदा द्वारा मानव सेवा के क्षेत्र में एक और सराहनीय पहल करते हुए वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया। यह कार्यक्रम जवाहर मार्ग स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बाहर आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ रहे, जबकि अध्यक्षता जैन सोशल ग्रुप नागदा के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बम ने की। विशेष अतिथि के रूप में जैन सोशल ग्रुप मध्यप्रदेश रीजन के उपाध्यक्ष शरद जैन उपस्थित थे।

यह वाटर कूलर स्वर्गीय नानालाल नाहर की स्मृति में उनके पुत्र अरविंद कुमार एवं अक्षय कुमार नाहर परिवार द्वारा भेंट किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभा ओरा एवं शर्मिला बम द्वारा नवकार महामंत्र की स्तुति के साथ की गई।

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में जैन सोशल ग्रुप द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन अमित बम ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रशांत नाहर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम समापन के पूर्व ग्रुप सदस्यो द्वारा अतिथियों एव लाभार्थी परिवार का सम्मान भी किया गया - इस वाटर कूलर का लाभ विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ जवाहर मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को भी मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इस सत्र में जैन सोशल ग्रुप नागदा द्वारा यह दूसरा स्थायी प्रकल्प है। इससे पूर्व शासकीय विद्यालय बनबनी में भी वाटर कूलर स्थापित किया जा चुका है। कार्यक्रम में पिछले 30 वर्षों से जल सेवा कर रहे आदरणीय लालाजी का सम्मान भी किया गया।

इस अवसर पर राजेन्द्र कांठेड़, दिलीप कांठेड़, श्रेणिक बम, मुकेश धोका, सुरेन्द्र कांकरिया, संजय मुरडिया, राजेश सकलेचा, हितेष कांठेड़, राजा कर्नावट, अनुज नाहर, सुरेश नाहटा, अंकुर जैन, कुशल भंसाली, राजेश गेलडा, नितिन बुडावनवाला, हर्षित नागदा, महेंद्र जैन, निलेश सोलंकी, पारस पोखरना, रमेश तांतेड, कपिल पालरेचा, संजय जैन, प्रकाश चपलोत, सुरेश जैन (एडवोकेट), मनीष भण्डारी, मुकेश धाकड़, मनीष धाकड़, नीरज जैन, ब्रजेश भटेवरा सहित अनेक सदस्य एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे।

नागदा से उठा जैन नारी शक्ति मंच का संकल्प, 10,000 महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य

जैन नारी शक्ति मंच बदलाव की वो शुरुआत, जो समाज की दिशा बदल सकती है

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश करते हुए 'जैन नारी शक्ति मंच' का औपचारिक उदय हो चुका है। इस मंच का मुख्य उद्देश्य समग्र जैन समाज की कम से कम 10,000 नारी शक्ति को एक सूत्र में जोड़ना है, ताकि सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्तर पर महिलाओं की भागीदारी को मजबूत किया जा सके।

इस पहल की शुरुआत नागदा शहर से हुई, जहां से इसका शंखनाद किया गया। खास बात यह है कि इस मंच की गूंज अब केवल नागदा तक सीमित नहीं रही, बल्कि अन्य शहरों में भी इसे लेकर उत्साह और सक्रियता देखने को मिल रही है। विभिन्न स्थानों पर महिलाओं का जुड़ाव तेजी से बढ़ रहा है, जो इस अभियान की सफलता की ओर संकेत करता है। मंच का उद्देश्य केवल महिलाओं को जोड़ना ही नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, जागरूक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना भी है। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

इस मंच की कमान समाजसेवी राजेश सकलेचा के हाथों में है, जिनके मार्गदर्शन में इसे संगठित, सशक्त और परिणामकारी बनाने की रणनीति तैयार की गई है।

इस अवसर पर राजेश सकलेचा ने कहा, कि जब महिलाएं संगठित होती हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन निश्चित होता है। हमारा लक्ष्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि हर महिला को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।' 'जैन नारी शक्ति मंच' का यह प्रयास समाज में नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इन्होने की अपील - आशा जैन पालरेचा, चंचल जैन चोरडिया, प्रभा संघवी (बासवाडा), चित्रा जैन (जावरा), हेमा बेन कावडिया(कुशलगढ) रेखा बेन गांधी (रतलाम) एव दिपक जैन ने अपील की है कि देश प्रदेश की स समग्र जैन समाज की महिलाएं अधिक से अधिक इस मंच से जुड़कर इस सशक्तिकरण अभियान का हिस्सा बनें और समाज के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

सेवानिवृत्ती पर सम्मान समारोह आयोजित

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। 30 अप्रैल 2026 को दिनेश कुमार डोडिया केशीयर की अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर शासकिय चिकित्सालय बडनगर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया सर्वप्रथम भगनवान धनंवतरी एवं मॉ सरस्वती का पूजन कर कार्यक्रम प्रांरभ किया गया अतिथीयो का स्वागत संस्था प्रभारी डॉ सुयश श्रीवास्तव द्वारा किया गया वरष्ठि चिकित्सक मुख्य अतिथी डॉ वनिता खठोड, विशेष अतिथी डॉ देवेन्द्र स्वामी , डॉ मोनिका कोठारी , डॉ मनीष पंथ, डॉ विजय मालवीय, डॉ अनग पाल सिंह तोमर , डॉ वदना डावर, डॉ जयती भंडारी, कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ सुयश श्रीवास्तव द्वारा किया गई सभी मचांसीन अतिथीयों द्वारा अपने उदबोधन में इन्होने दिनेश कुमार डोडिया के 33 वर्षो की शासकिय सेवा की सराहाना की तथा संस्था प्रभारी एंव समस्त स्टाफ द्वारा पुष्प माला प्रतिक चिन्ह साल श्रीफल द्वारा सम्मानीत किया गया इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के देवीदास मुलचंदानी उदय अग्निहोत्री, प्रेमकुमार खीची, मोहम्मद रफीक मसुंरी, कन्हैया लाल वर्फा द्वारा भी संघ का दुपट्टा प्रतिक चिन्ह एंव, पुष्प गुच्छ भेट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर नर्सिंग आफिसर सुनिता दोनी, सुनिता सनोडिया , अर्चना उईके , सावित्री बोरासी, पुष्पा नचकाने , कमल किशोर धारीया, राजेन्द्र मेंडा , सर्वेश बघेल, शुभम राठौड संजय सोलंकी बालकृष्ण भावसार , रूपचन्द्र अटाहेडा मुकेश सोनी जगदिश अजमेरी, रूपेश कछावा विजय कटारिया, मधु सेन, रमेशचन्द्र मारू विजय गौसर कपिल सिंदल, हर्ष वाघेला, शिवम यादव, सचिन गुगली, हर्ष वैष्णव , निकुंज राठोड , मनीष, जोशी, रामेश्वर राठोड, के साथ समस्त स्टाफ उपस्थित रहा कार्यक्रम का संचालन कन्हैया लाल वर्फा ने किया आभार रविराज यादव ने माना ।

कलेक्टर ने सजेली नानिया सात वन क्षेत्र का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने मेघनगर क्षेत्र अंतर्गत सजेली नानिया सात वन क्षेत्र के कंपार्टमेंट क्रमांक 75, संरक्षित बीट राखड़िया का निरीक्षण किया।

वन मण्डलाधिकारी श्री भारत सोलंकी ने कलेक्टर को जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है तथा अस्थाई अतिक्रमण के साथ फसलों की कटाई के बाद अन्य अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सतत रूप से की जा रही है। उन्होंने

बताया कि क्षेत्र में बांस प्लांटेशन एवं जल संवर्धन हेतु विभिन्न संरचनाओं के निर्माण के लिए परियोजना तैयार की जा रही है।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने एसडीएम, तहसीलदार एवं वन विभाग के अधिकारियों को वन क्षेत्र का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पूर्व में हुई घटनाओं की पुनरावृत्ति किसी भी स्थिति में न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जाए।

कलेक्टर ने वन क्षेत्र की स्पष्ट सीमा निर्धारण हेतु फेंसिंग कार्य कराने तथा नई जल संरचनाओं के निर्माण के निर्देश भी दिए।

एसडीएम के आदेशों को भी नगरपालिका ने दिखाया ठेंगा शिवसेना ने उजागर किया बोरों में भरा गोरखधंधा

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री के गृह जिले (उज्जैन) के अंतर्गत आने वाले बड़नगर में मृत गौवंशों की दुर्दशा और प्रशासनिक संवेदनहीनता का एक बड़ा मामला सामने आया है। शिवसेना नगर अध्यक्ष संतोष बगेरवाल ने आज मौके पर पहुंचकर एक ऐसा सनसनीखेज खुलासा किया जिसने प्रशासनिक दावों की पोल खोल दी है। गौशाला की दीवार पर संदिग्ध हालत में रखे बोरों को जब नीचे गिराकर खोला गया, तो उनमें गौवंश के पैर, मुंह और हड्डियां भरी हुई मिलीं।

एसडीएम के आदेश की धज्जियां उड़ीं- विदित हो कि 27 अप्रैल को शिवसेना ने इस गंभीर मुद्दे पर एसडीएम महोदय से चर्चा की थी, जिस पर उन्होंने तत्काल सीएमओ (ष्टस्ह्र) को 24 घंटे के भीतर कार्यवाही के निर्देश दिए थे। लेकिन आज 1 मई (मजदूर दिवस) तक स्थिति सुधरने के बजाय और भी भयावह हो गई। प्रशासन ने सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की और अवशेषों को कूड़े के ढेर में इधर-उधर खिसका दिया।

दीवार पर बोरों में अवशेष- तस्करी की आशंका- संतोष बगेरवाल ने मौके से वीडियो जारी करते हुए बताया, निरीक्षण के दौरान हमें दीवार पर कुछ बोरे रखे दिखे। संदेह होने पर जब हमने उन्हें नीचे गिराकर खोला, तो हम दंग रह गए। बोरों में गौवंश के अंग ठूंस-ठूंस कर भरे थे और पास ही कई खाली बोरे भी पड़े थे। मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र में इस तरह का गोरखधंधा चलना और प्रशासन का मौन रहना कई सवाल खड़े करता है। आखिर इन अवशेषों को बोरों में भरकर दीवार पर किसने और क्यों रखा था क्या यहाँ कोई काला कारोबार फल-फूल रहा है

शिवसेना नगर अध्यक्ष की चेतावनी- इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों पर तत्काल कार्यवाही करने की मांग की गई है। संतोष बगेरवाल ने कड़े लहजे में कहा कि एक तरफ सरकार गौ-संरक्षण की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री के अपने क्षेत्र में गौ-वंश का ऐसा अपमान हो रहा है। यदि तत्काल इस गोरखधंधे का पर्दाफाश नहीं हुआ और अवशेषों का ससम्मान निस्तारण नहीं किया गया, तो हमे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

मेखालेश्वर धाम में भक्ति का संगम, मंत्रोच्चार के साथ बाबा रामदेव जी की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की पावन धरा से मात्र 2 किलोमीटर दूर, बखतगढ़ रोड स्थित श्री नवखंड मालवा तपोभूमि (मेखालेश्वर धाम) में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा समागम देखने को मिला। यहाँ आयोजित पांच दिवसीय नवकुंडीय श्री नारायण विष्णु महायज्ञ एवं बाबा रामदेव जी की नूतन प्रतिमा का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

यज्ञ की पूर्णाहुति और आध्यात्मिक वातावरण- महोत्सव के अंतिम दिन, यज्ञ आचार्य महेश शर्मा के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी नव यजमानों ने यज्ञ में पूर्ण आहुति दी। आहुतियों की सुगंध और मंत्रों की गूंज से संपूर्ण तपोभूमि भक्तिमय हो गई। प्रातः काल ढोल-धमाकों के साथ भव्य गंगाजल यात्रा निकाली गई, जिसमें महंत श्री खटपटी नाथ जी के साथ दूर-दराज से पधारे साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

नूतन प्रतिमा का अभिषेक और प्राण-प्रतिष्ठा- प्राण-प्रतिष्ठा के मुख्य आचार्य हेमंत शास्त्री द्वारा विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। बाबा रामदेव जी की नवीन प्रतिमा का पंच रस एवं पंच मिट्टी से शुद्धिकरण किया गया।

सात पवित्र नदियों के गंगाजल से बाबा का दिव्य अभिषेक हुआ।

शास्त्रोक्त विधि-विधान से प्राण-प्रतिष्ठा के पश्चात, अब भक्तगण बाबा रामदेव जी के इस नूतन और भव्य स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

धर्म सभा- संस्कृति और सेवा का संकल्प- दोपहर में आयोजित धर्म सभा में भक्ति और विकास का सुंदर समन्वय दिखा। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर, भाजपा नेता शेखर यादव एवं अखिल भारतीय सनातन परिषद के उज्जैन संभाग अध्यक्ष महंत श्री महावीर नाथ जी उपस्थित रहे।

इस प्रकार के आयोजन हमारी सनातन संस्कृति और धर्म की जड़ों को और मजबूत करते हैं। यह सामूहिक श्रद्धा का प्रतीक हैं।

-सावित्री ठाकुर, केंद्रीय मंत्री

अतिथियों का सत्कार एवं मंदिर विकास की राह- मंदिर के महंत श्री खटपटी नाथ जी ने सभी अतिथियों का पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत किया और केंद्रीय मंत्री को बाबा रामदेव जी की मनमोहक तस्वीर भेंट की। इस अवसर पर महंत जी ने धाम के विकास हेतु एक मांग पत्र भी सौंपा, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए मेखालेश्वर धाम के विकास कार्यों हेतु मंच से ही सहयोग और स्वीकृति का आश्वासन दिया।

इस धार्मिक आयोजन ने न केवल क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना का संचार किया, बल्कि सामाजिक समरसता की मिसाल भी पेश की।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पाटी विकासखण्ड का किया सघन दौरा

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने गुरुवार पाटी विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर विकास कार्यों और निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं का धरातल पर निरीक्षण किया। इस भ्रमण के दौरान उन्होंने परिक्रमावासियों की सुविधाओं से लेकर क्षेत्र की महत्वाकांक्षी सिंचाई योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए बनेगा सर्वसुविधायुक्त आश्रय स्थल ग्राम बोरखेड़ी में नर्मदा परिक्रमा पथ का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने परिक्रमावासियों की सुविधा हेतु निर्मित किए जाने वाले आश्रय स्थल की कार्ययोजना देखी। उन्होंने मौके पर उपस्थित वन, राजस्व एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने और बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निवाली सूक्ष्म उद्ववहन सिंचाई परियोजना के कार्यों का किया निरीक्षण नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण अंतर्गत प्रगतिरत निवाली सूक्ष्म उद्ववहन सिंचाई परियोजना की जमीनी प्रगति जानने के उद्देश्य से कलेक्टर जयति सिंह ग्राम बोरखेड़ी, अंजराडा और गंधावल पहुँचीं।

उन्होंने ग्राम अंजराडा में पाइप पेंटिंग यार्ड का निरीक्षण कर एनवीडीए द्वारा किए जा रहे पाइप कोटिंग और पेंटिंग कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया गया। श्रीमती सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि तकनीकी मानकों और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर बल दिया गया। ग्राम गंधावल में पाइप लाइन विस्तार कार्य का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी एवं विभाग के अधिकारियों को कार्यक्षमता बढ़ाकर कार्य की गति बढ़ाने और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही किए जा रहे कार्य की क्वालिटी टेस्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। ज्ञात हो कि 1088.24 करोड़ रुपये की निवाली सूक्ष्म उद्ववहन सिंचाई परियोजना का भूमिपूजन मुख्यमंत्री द्वारा जनवरी 2025 में किया गया था। इस परियोजना से जिले के 87 ग्रामों में लगभग 33 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना अंतर्गत तहसील पाटी के ग्राम बोरखेड़ी के समीप से नर्मदा नदी के जल को 2.60 मीटर व्यास की पाईप लाईन के माध्यम से 465 मीटर की उंचाई तक जल उद्वहन किया जायेगा।

प्रभुजी आहार फाउंडेशन द्वारा भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गालव सभागार, जीवाजी विश्वविद्यालय में आज प्रभुजी आहार फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजक आदित्य शर्मा द्वारा एक भव्य एवं गरिमामय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शासकीय विद्यालयों की 12वीं परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाली 50 से अधिक मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह का वातावरण उत्साह, गर्व और प्रेरणा से सराबोर रहा, जहां प्रतिभाशाली छात्राओं की उपलब्धियों का सम्मान करते हुए उन्हें भविष्य में और ऊँचाइयों को प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया गया। यह आयोजन न केवल उनकी सफलता का उत्सव बना, बल्कि समाज में बालिका शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति एक सकारात्मक संदेश भी प्रदान करता नजर आया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री आशीष अग्रवाल (प्रदेश मीडिया प्रभारी), श्री अमित सांघी (डीआईजी, ग्वालियर), डॉ. प्रियंवदा भसीन (प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक), श्रीमती समीक्षा गुप्ता (उपाध्यक्ष, महिला आयोग) एवं आईपीएस श्रीमती विदिता डागर की गरिमामय उपस्थिति रही। अतिथियों ने छात्राओं को सम्मानित करते हुए उनके आत्मविश्वास और परिश्रम की सराहना की। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री आशीष अग्रवाल ने कहा कि बेटियों की शिक्षा में निवेश, समाज के उज्ज्वल भविष्य में निवेश है और ऐसे आयोजन उन्हें आगे बढ़ने की नई दिशा देते हैं। डीआईजी ग्वालियर श्री अमित सांघी ने छात्राओं को अनुशासन और परिश्रम का महत्व बताते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास से ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

संगठन में शक्ति है, पंचायतों को आगे बढ़ने के लिए समग्र प्रयास करने होंगे कलेक्टर

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संगठन में शक्ति है, पंचायतों को आगे बढ़ने के लिए समग्र प्रयास करने होंगे। उक्त विचार कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने पाटी विकासखण्ड के ग्राम डोंगरगाँव में आयोजित ''रात्रि चौपाल'' के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत केवल एक प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि विकास का केंद्र है। ग्राम विकास के लिए सभी ग्रामीणजन एकजुट होकर कार्य करे। ग्रामीणों से सीधा संवाद और फीडबैक रात्रि चौपाल के माध्यम से कलेक्टर ने ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर सीधा संवाद किया। उन्होंने कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा संबंधी कार्यो एवं योजनाओं ज़मीनी स्तर पर क्रियान्वयन संबंधी फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनता के द्वार पर इसीलिए है ताकि संवाद और समाधान के बीच की दूरी कम हो सके। रात्रि चौपाल में ग्राम के प्रगतिशील कृषकों ने जैविक खेती और मुर्गीपालन से प्राप्त सकारात्मक परिणामों को साझा किया।इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों से सीधे संवाद कर परीक्षा परिणाम, स्कूल उपस्थिति, पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता और छात्रवृत्ति की स्थिति संबंधी जानकारी प्राप्त की। स्वास्थ्य के क्षेत्र में जननी सुरक्षा योजना, प्रसव पूर्व एएनसी पंजीयन, संस्थागत प्रसव और सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूक किया गया।

किसानों से धोखाधड़ी कर किराये पर ट्रैक्टर लेकर बेचने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

1 करोड़ 80 लाख रुपए के अलग अलग कंपनी के 20 ट्रैक्टर बरामद

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। भाटपचलाना थाना पुलिस ने किसानों से धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अलग-अलग कंपनियों के 20 ट्रैक्टर बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 1 करोड़ 80 लाख रुपये बताई जा रही है। इस बड़ी कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने पुलिस टीम का स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में, एसडीओपी खाचरौद आकांक्षा बछोटे के निर्देशन में थाना प्रभारी सतेन्द्र सिंह चौधरी व उनकी टीम ने 30 अप्रैल 2026 को इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी रफीक पिता गनी मोहम्मद निवासी ग्राम माधोपुरा को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि आरोपी रफीक पटेल ग्रामीण क्षेत्रों के भोले-भाले किसानों को निशाना बनाता था। वह अधिक मासिक किराया देने का लालच देकर ट्रैक्टर किराये पर लेता और बाद में उन्हें दूर-दराज के इलाकों में बेच देता या गिरवी रख देता था। आरोपी न तो किसानों को किराया देता था और न ही ट्रैक्टर वापस करता था। पकड़े जाने से बचने के लिए वह बार-बार अपने मोबाइल नंबर भी बदलता रहता था।

एसडीओपी आकांक्षा बछोटे ने प्रेस वार्ता में बताया कि जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है और किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।फिलहाल पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर ट्रैक्टरों के संबंध में विस्तृत पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया है।

खजुरी में गेहूं खरीदी का मामला: नियमों के दावों पर उठे बड़े सवाल

पैरेलल खरीदी, बिना बिल तुलाई और अचानक शिफ्टिंग से घिरी व्यवस्था, जांच पर टिकी निगाहें

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के ग्राम खजुरी में गेहूं खरीदी को लेकर सामने आया मामला अब प्रशासनिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच टकराव का बड़ा उदाहरण बन गया है। कार्यपालक मजिस्ट्रेट की छापामार कार्रवाई में घर के बाहर संचालित पैरेलल खरीदी केंद्र, भारी मात्रा में सरकारी बारदान और ट्रैक्टरों के साथ बड़े स्तर पर खरीदी का खुलासा हुआ। वहीं दूसरी ओर जिला खाद्य अधिकारी एम.एल.मालवीय ने पूरे मामले को शासन के नियमों के अनुरूप बताया है, जिससे विवाद और गहरा गया है।

छापेमारी के दौरान मौके से 500 से अधिक गेहूं से भरे बोरे, 250 से ज्यादा खाली बारदान और 3-4 ट्रैक्टर पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि जिस संस्था को सुसनेर में खरीदी की अनुमति दी गई थी, वह करीब 7 किलोमीटर दूर खजुरी गांव में खरीदी कर रही थी। यह तथ्य सामने आने के बाद खरीदी व्यवस्था की पारदर्शिता और वैधता को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

अधिकारियों का पक्ष- जिला खाद्य अधिकारी का कहना है कि जिले में कहीं भी अवैध खरीदी नहीं हो रही है और पूरी प्रक्रिया गोदाम स्तरीय एवं समिति स्तरीय व्यवस्था के तहत संचालित की जा रही है। उनके अनुसार, गोदाम भरने के बाद संबंधित समिति अपने कार्यक्षेत्र में 25 किलोमीटर के दायरे में किसी भी सुरक्षित स्थान पर खरीदी कर सकती है। स्लॉट बुकिंग और खरीदी के स्थान अलग-अलग होने को भी उन्होंने नियमों के अनुरूप बताया है।

जमीनी स्तर पर उठते सवाल- हालांकि, अधिकारियों के इन दावों के बावजूद जमीनी स्थिति कई सवाल खड़े कर रही है। किसानों का आरोप है कि तुलाई के बाद उन्हें तत्काल बिल नहीं दिए गए, जबकि नियमानुसार बिल उसी समय जारी किया जाना चाहिए। बिना बिल के भुगतान की प्रक्रिया, देरी की स्थिति में जिम्मेदारी और पारदर्शिता को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

इसके अलावा यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि गोदाम भरने के बाद ही खरीदी स्थल बदला जाना था, तो क्या किसानों को पहले से इसकी सूचना दी गई थी? क्या समिति को निजी या अस्थायी स्थानों पर खरीदी करने की खुली छूट है? क्या इस तरह के निर्णय के लिए कोई लिखित आदेश या स्पष्ट प्रक्रिया अपनाई गई थी?

अचानक बंद हुई खरीदी, फिर बदला फैसला- मामले में नया मोड़ तब आया जब खजुरी में संचालित खरीदी अचानक बंद कर दी गई और वहां से संसाधनों को वापस सुसनेर वेयरहाउस में शिफ्ट कर दिया गया। इसके बाद पुनः वेयरहाउस में खरीदी शुरू कर दी गई। इससे यह सवाल और गहरा गया है कि यदि पहले गोदाम में जगह नहीं होने का हवाला दिया जा रहा था, तो अब अचानक पर्याप्त स्थान कैसे उपलब्ध हो गया।

व्यवस्थाओं पर भी उठे सवाल- खजुरी में खुले या अस्थायी स्थान पर खरीदी को लेकर मूलभूत व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े हुए हैं। मौके पर किसानों के लिए छांव, पेयजल, पर्याप्त तोल कांटे, हम्माल और गुणवत्ता जांच के लिए अधिकृत सर्वेयर की उपलब्धता संदिग्ध बताई जा रही है। यदि इन व्यवस्थाओं में कमी पाई जाती है, तो यह खरीदी केंद्र के निर्धारित मानकों का उल्लंघन माना जाएगा।

इसके साथ ही खुले में रखे गेहूं की सुरक्षा, खराब मौसम में बारिश या नमी से नुकसान, भंडारण और परिवहन की जिम्मेदारी को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। यदि भविष्य में किसी प्रकार की गड़बड़ी या नुकसान सामने आता है, तो उसकी जवाबदेही किसकी होगी—यह भी एक बड़ा सवाल है।

प्रशासनिक जानकारी पर भी संशय - जिला खाद्य अधिकारी द्वारा मामले को क्लीन चिट देने के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी पहले से प्रशासन को थी या नहीं। यदि समिति को मौखिक अनुमति दी गई थी, तो क्या यह नियमों के अनुरूप है? जिला खाद्य अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निरीक्षण रिपोर्ट मिलने के बाद यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित संस्था के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल रिपोर्ट कलेक्टर को प्रस्तुत की जाएगी। जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

बड़ावदा पुलिस की त्वरित कार्रवाई: 12 घंटे में ट्रैक्टर बैटरी चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना बड़ावदा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रैक्टर बैटरी चोरी के मामले का मात्र 12 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई कुल तीन बैटरियां बरामद की हैं। घटनाक्रम दिनांक 1 मई 2026 को फरियादी द्वारा थाना बड़ावदा में अलग-अलग स्थानों से तीन ट्रैक्टर बैटरियां चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 149/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। पुलिस की कार्रवाई मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री विवेक कुमार लाल तथा एसडीओपी जावरा श्री संदीप कुमार मालवीय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बड़ावदा प्रशिक्षु आईपीएस श्री वैभव प्रिय एवं उनकी टीम ने त्वरित कार्रवाई की। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। तकनीकी एवं सूचना आधारित जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो EXIDE कंपनी एवं एक स्स्र कंपनी की ट्रैक्टर बैटरी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी राहुल (27) पिता गोविंदलाल डाबी, निवासी मालीपुरा, बड़ावदा हर्षित (24) पिता दिनदयाल बोरीवाल, निवासी खटीक मोहल्ला, बड़ावदा विकास (18) पिता गोपाल मालीवाड़, निवासी वार्ड नंबर 12, बड़ावदा आपराधिक रिकॉर्ड आरोपी हर्षित बोरीवाल के विरुद्ध पूर्व में भी मारपीट, धमकी एवं एससी/एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अन्य आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। पुलिस टीम की भूमिका इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बड़ावदा प्रशिक्षु आईपीएस श्री वैभव प्रिय के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक शिवजी यादव, आरक्षक गोपाल सिंह सोनगरा, बहादुर सिंह एवं मुनालाल की मुख्य भूमिका रही। श साथ ही उपनिरीक्षक एम.एल. बडोदिया, जे.सी. कुमावत, विजयपाल सिंह, दिनेश सिंह तोमर, राजेश पानोला, गणेश परमार, कृष्णपाल सिंह, रीना गुर्जर एवं शंकरलाल का सराहनीय योगदान रहा। निष्कर्ष- बड़ावदा पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा हुआ, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

प्राण प्रतिष्ठा के साथ भागवत कथा की पूर्णाहुति का लाभ हजारों भक्तों ने लिया

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट नगर स्थित मिठन गढ़ दरबार में दिनांक 25 अप्रैल से 1 म ई तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया जिसका आज पूर्णाहुति के साथ महा भंडारे का आयोजन किया गया वहीं भागवत कथा का पावन अवसर रहा शिव पंचायत मंदिर मुक्तेश्वर महादेव की स्थापना के साथ संपन्न हुआ अयोध्या से पधारे 1008 श्री श्री जगतगुरु अवधेश आचार्य जी महाराज के द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन किया गया संतश्री कैलाश सिंह जी अनाड़ी मिठननगढ़ दरबार के संचालक द्वारा सात दिवसीय भागवत कथा का आयोजन करवाया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन ने पहुंचकर महाआरती महाप्रसादी का भाग लिया इस अवसर पर वरिष्ठ समाज जन उपस्थित रहे।

ग्वालियर एवं चंबल संभाग के वस्त्र व गारमेंट क्षेत्र को लेकर नईदिल्ली में आउटरीच कार्यक्रम

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम द्वारा मध्य प्रदेश भवन, नई दिल्ली में वस्त्र एवं गारमेंट निवेश आउटरीच कार्यक्रम÷ का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्वालियर एवं चंबल संभाग में वस्त्र एवं गारमेंट क्षेत्र में उपलब्ध निवेश अवसरों को प्रमुख उद्योग संगठनों एवं निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम में टेक्सटाइल एसोसिएशन दिल्ली, ओखला इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, ट्राइबर्ग सहित देशभर से 60 से अधिक उद्योगपति एवं निवेशकों ने भाग लिया। प्रमुख कंपनियों में ब्लैकबेरीज़ एवं वेलेंसिया अपैरल्स (नोएडा) की सहभागिता उल्लेखनीय रही।

जिला प्रशासन बड़वानी द्वारा प्रथम चरण के मकान सूचीकरण कार्य का व्यापक निरीक्षण

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला बड़वानी में आज से जनगणना 2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। इस चरण में मुख्य रूप से मकान सूचीकरण और आवास गणना का कार्य किया जाएगा। जिले के समस्त नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगणक दल घर-घर जाकर डेटा संकलन का कार्य शुरू कर चुके हैं।

तकनीकी नवाचार और मोबाइल एप्प का उपयोग इस बार की जनगणना को आधुनिक और सटीक बनाने के लिए डिजिटल माध्यम पर विशेष जोर दिया गया है। प्रगणकों द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से जानकारी दर्ज की जा रही है। जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री सोहन कनास ने बताया कि गणना कार्य को पारदर्शी बनाने के लिए सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को विशेष तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया है। जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं आवास गणना) के कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने और डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आज, 01 मई 2026 को जिला बड़वानी के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर निरीक्षण अभियान चलाया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण निरीक्षण के दौरान श्री सोहन कनास (अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी, बड़वानी) सहित भोपाल से नियुक्त जिला जनगणना प्रभारी, विभिन्न जिला अधिकारियों और चार्ज अधिकारियों ने जिले के अलग-अलग चार्ज क्षेत्रों का औचक दौरा किया। दल द्वारा फील्ड में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की कार्यप्रणाली और मकान सूचीकरण की तैयारियों का सूक्ष्म अवलोकन किया गया। निरीक्षण दल ने विशेष रूप से निम्नलिखित तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं की जांच की।भ्स्ठ सीमांकन के तहत मकान सूचीकरण ब्लॉकों के सटीक सीमांकन और गुणवत्ता की जांच। प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की मौके पर उपस्थिति, उनके नियुक्ति पत्र और पहचान पत्रों की उपलब्धता, मोबाइल एप के उपयोग, लॉगिन की स्थिति और डेटा प्रविष्टि की प्रक्रिया,ले-आउट मैप निर्माण, भवनों पर नंबर डालने (भवन क्रमांकन) की वर्तमान स्थिति। समयबद्धता और पारदर्शिता पर जोर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित स्टाफ को निर्देश दिए कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को पूरी पारदर्शिता, शुद्धता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपन्न किया जाए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फील्ड स्तर पर किसी भी प्रकार की अनुपस्थिति या लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी और सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार ही किए जाएं। आमजन से अपील जिला प्रशासन बड़वानी ने नागरिकों से अपील की है कि जब प्रगणक उनके घर आएं, तो उन्हें सही और आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराकर सहयोग करें।

तिघरा जलाशय में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए संयुक्त टीम ने किया बोट क्लब का निरीक्षण

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। तिघरा जलाशय में आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर संयुक्त टीम द्वारा बोट क्लब का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने तिघरा डैम स्थित बोट क्लब के सुरक्षा प्रबंधन का सूक्ष्मता से जायजा लिया। साथ ही पर्यटकों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। संयुक्त टीम ने लाइफ जैकेट की उपलब्धता, बोट संचालन की व्यवस्था, आपातकालीन स्थिति से निपटने की तैयारियों सहित अन्य सुरक्षा उपायों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रकृति संरक्षण के लिए वृक्षारोपण के विचार का अंकुरण जरूरी - न्यायाधिपति श्री पाठक

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की पहाड़ियों को सिटी फॉरेस्ट विकसित कर पहनाया जा रहा है हरा आवरण उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री आनंद पाठक ने कहा कि प्रकृति संरक्षण के लिये केवल वृक्षारोपण ही नहीं, सभी में वृक्षारोपण के विचार का अंकुरण होना भी जरूरी है। खुशी की बात है ग्वालियर में यह विचार अंकुरित हो रहा है। आशा है कि आने वाले समय में ग्वालियर के आसपास की पहाड़ियाँ सिटी फॉरेस्ट से सुसज्जित होंगीं। न्यायाधिपति श्री पाठक शुक्रवार की शाम उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के न्यायमूर्तिगणों के साथ आनंद पर्वत पर वृक्षारोपण करने पहुँचे थे। उन्होंने इस अवसर पर अपील की कि हम सब अपना मूल कर्तव्य समझकर पेड़ लगाएं और उनका पोषण भी करें। न्यायाधिपति श्री पाठक के नेतृत्व एवं नव नियुक्त प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री जी एस अहलूवालिया की मौजूदगी में आनंद पर्वत पर फलदार प्रजातियों के लगभग एक हजार पौधे रोपे गए। अलापुर तिराहे के समीप हरि पर्वत के सामने स्थित आनंद पर्वत पर प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री पाठक ने रुद्राक्ष का पौधा रोपकर इस पहाड़ी को सिटी फॉरेस्ट के रूप में हरीतिमा का आवरण पहनाने के काम को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के न्यायमूर्ति श्री जी एस अहलूवालिया ने आम की आम्रपाली प्रजाति का पौध रोपा। साथ ही न्यायमूर्ति श्री मिलिंद रमेश फड़के, न्यायमूर्ति श्री ह्रदेश, न्यायमूर्ति श्री आशीष श्रोती, न्यायमूर्ति श्री अमित सेठ, न्यायमूर्ति श्री पुष्पेन्द्र यादव आदी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

पहले नाली बनाएं, फिर सड़क चौड़ीकरण हो

जलभराव रोकने और यातायात सुगम बनाने पर जोर, संभागायुक्त और कलेक्टर ने ढाबारोड़ मार्ग का किया निरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में है। नियमित निरीक्षण के तहत शुक्रवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने टंकी चौराहे से ढाबारोड़ तक चल रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का जायजा लिया और मौके पर ही जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त आशीष सिंह सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने साफ तौर पर कहा कि सड़क चौड़ीकरण से पहले एक ओर नाली निर्माण पूरा करना अनिवार्य है। उन्होंने इंजीनियरों को निर्देशित किया कि पहले पानी का उचित शिफ्टिंग कर

नाली बनाई जाए, ताकि जलभराव की स्थिति न बने और पानी सुचारू रूप से बाहर निकल सके। इसके बाद ही दूसरी ओर का निर्माण कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने नाली निर्माण में उपयोग हो रही सामग्री की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने को कहा और स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही इंजीनियरों को मौके पर उपस्थित रहकर कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय रहवासियों को आवागमन में परेशानी न हो। वैकल्पिक व्यवस्था और सुरक्षा उपायों पर भी जोर दिया गया। सिंहस्थ-2028 के दौरान उज्जैन के पुराने शहर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी और साधु-संतों की पेशवाई भी निकलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मार्ग चौड़ीकरण कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि ढाबारोड़ मार्ग पर एक ओर करीब 200 मीटर प्रीकास्ट नाली का निर्माण किया जा चुका है और शेष कार्य तेजी से जारी है। आने वाले कुछ दिनों में नाली और पाइपलाइन डालने का काम पूरा कर लिया जाएगा।

सिंहस्थ 2028 के कार्यों की नियमित समीक्षा बैठक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शुक्रवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय में सिंहस्थ 2028 के निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा बैठक ली। संभागायुक्त ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रचलित कार्यों की साइट पर उपस्थित रहने वाले अधिकारी प्रतिदिन कार्य प्रगति की जानकारी के साथ फोटो पोर्टल पर अपलोड अवश्य करें और निर्माणाधीन कार्यों को पूरा करने के लिए गति बढ़ाएं।

समीक्षा बैठक में विभागों द्वारा कार्य प्रगति की जानकारी दी गई। संभागायुक्त श्री सिंह ने लोनिवि के अधिकारियों को हरिफाटक से लालपुल तक मार्ग निर्माण का कार्य बारिश के पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक-एक दिन महत्वपूर्ण है इसलिए कार्य स्थल पर अधिकारी प्रतिदिन की कार्य प्रगति की जानकारी के साथ प्रगतिरत कार्य के फोटो पोर्टल पर अवश्य अपलोड करें और बारिश के पहले ग्राउंड लेबल के कार्यों को पूरा कर लें, जिससे बारिश के दौरान कार्य प्रभावित ना हो। साथ ही सभी विभाग निर्माणाधीन कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें।

बैठक में नगर निगम, उज्जैन विकास प्राधिकरण, स्मार्ट सिटी, भू-अर्जन, जल संसाधन, मप्रपक्षेविविकांलि, लोक निर्माण विभाग, सिंहस्थ डिवीजन, पीआईयू, सेतू, राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क विकास निगम, रोपवे निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों से ट्रैक्टर किराए पर लेकर लगा देता था ठिकाने

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों से किराए पर ट्रैक्टर लेकर ठिकाने लगाने वाले शातिर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसकी निशाना देगी पर 1.80 करोड रुपए कीमत के 20 ट्रैक्टर बरामद किए गए हैं। कुछ और ट्रैक्टरों की बारामदगी के लिए आरोपी को रिमांड पर लिया गया है।

भाटपचलाना थाना पुलिस ने बताया कि रतलाम के एक किसान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ महीनों पहले उसने ग्राम रुनीजा में अपना ट्रैक्टर किराए पर ग्राम माधोपुरा में रहने वाले रफिक पिता गनी मोहम्मद पटेल को दिया था। रफीक ने प्रतिमाह 15 हजार देने की बात कही

थी। लेकिन उसने किराए की राशि नहीं दी ना ही ट्रैक्टर लौट आया। उसके द्वारा लगातार आनाकानी की जा रही है। पुलिस के अनुसार मामले में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर रफीक की तलाश शुरू की गई। बुधवार रात उसे हिरासत में लिया गया और गुरुवार को न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए दो दिन की रिमांड पर लिया गया। इस दौरान उससे बड़ा खुलासा हुआ उसकी निशानदेही पर 20 ट्रैक्टर बरामद किए गए हैं। जिसकी कीमत 1.80 करोड रुपए होना सामने आई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि वह किसानों से ट्रैक्टर लेकर दूसरे ग्रामीण क्षेत्रों में गिरवी रख देता था। थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है, संभावना है कि कुछ और ट्रैक्टर बरामद हो सकते हैं।

रतलाम, झाबुआ और धार के ट्रैक्टर- पुलिस के अनुसार शातिर बदमाश रफीक ने पिछले 2 सालों में रतलाम झाबुआ और धार के किसानों से ट्रैक्टर किराए पर लिए थे जिसे इंदौर और उज्जैन जिले के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को गिरवी रखकर ठिकाने लगाये थे। गिरवी रखने के दौरान वह ट्रैक्टर की आदि से कम कीमत लेता था और बाद में छुड़ाने नहीं जाता था। गिरवी रखकर ली गई राशि से वह मौज मस्ती में खर्च करता था।

इनकी रही सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी सतेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार करने में एसआई प्रतीक यादव, एएसआई राजीव चौहान, प्रधान रक्षक शैलेन्द्रसिंह सिसौदिया, राजपालसिंह, परमिंदर यादव, राहुल अटोलिया, हरिगोविंदसिंह, आरक्षक विजय जाट, सुनील चौधरी, राजेश सोयल, सैनिक अजय पाल की भूमिका रही।

सिंहस्थ बायपास पर ब्रिज निर्माण शुरू, सड़क होगी फोर-लेन

नानाखेड़ा से आगर रोड तक 20 किमी मार्ग का विस्तार, 2028 सिंहस्थ से पहले पूरा करने का लक्ष्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने और सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को गति देने के लिए सिंहस्थ बायपास पर बड़े स्तर पर काम शुरू हो गया है। नानाखेड़ा से आगर रोड तक लगभग 20 किलोमीटर लंबी सड़क को टू-लेन से फोरलेन में बदला जा रहा है। इसके साथ ही इस मार्ग पर ब्रिज निर्माण का कार्य भी शुरू हो चुका है, जिससे आवागमन और अधिक आसान होगा।

इस परियोजना के तहत बायपास को आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा। करीब 19.815 किलोमीटर लंबाई वाले इस मार्ग को चौड़ा कर फोरलेन बनाया जाएगा और दोनों ओर शोल्डर भी विकसित किए जाएंगे। यह सड़क नानाखेड़ा चौराहे से शुरू होकर उज्जैन-नागदा जंक्शन होते हुए उज्जैन-आगर रोड तक पहुंचेगी।

फोरलेन निर्माण के साथ-साथ इस मार्ग पर 9 ब्रिज बनाए जाएंगे, जिनमें 3 रेलवे ओवरब्रिज भी शामिल हैं। इसके अलावा 29 कल्वर्ट, 26 माइनर ब्रिज और 8 इंटरचेंज स्ट्रक्चर तैयार किए जाएंगे। इससे न केवल यातायात सुचारू होगा बल्कि दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

यह परियोजना खास तौर पर राजस्थान और गुजरात से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए राहत भरी साबित होगी। सिंहस्थ महाकुंभ 2028 से पहले इस कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि उस दौरान शहर में ट्रैफिक का दबाव कम किया जा सके और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद उज्जैन में यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और शहर की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी।

अक्षत इंटरनेशनल स्कूल में हिंदी शिक्षक सम्मेलन, हिंदी शिक्षण को प्रभावी बनाने का संकल्प

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अक्षत इंटरनेशनल स्कूल में 28 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित हो रहे साहित्य महोत्सव के तहत हिंदी शिक्षक सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्यकार, व्यंग्य लेखक एवं कुशल वक्ता शशांक दुबे रहे।

सम्मेलन में हिंदी भाषा को प्रभावी और रोचक बनाने, विद्यार्थियों में पढ़ने की रुचि विकसित करने तथा शिक्षण प्रक्रिया को सरल बनाने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। शशांक दुबे ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यालय द्वारा इस प्रकार का आयोजन सराहनीय पहल है। उन्होंने कक्षाओं में समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के उपयोग, विद्यार्थियों को नियमित पठन के लिए प्रेरित करने, सामान्य एवं सरल हिंदी शब्दों के प्रयोग तथा शब्दकोश के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने शिक्षकों को स्पष्ट एवं सहज भाषा अपनाने तथा अपनी मातृभाषा पर गर्व करने का संदेश दिया। शिक्षकों ने इस प्रकार की संगोष्ठियों को शिक्षण प्रक्रिया के लिए बहुत उपयोगी बताया। स्वागत भाषण अरुण पाटीदार ने दिया, कार्यक्रम का संचालन अजय नगरिया ने किया तथा सफल आयोजन के लिए आभार योजना वाघचौरे ने माना। कार्यक्रम में विशेष रूप से स्कूल की अकादमिक निर्देशिका सरोज वाघले, उप-प्राचार्या पल्लवी दिवाकर व सीसीओ राखी मेहता उपस्थित रहीं।

13 थानों वाले शहर में 'बाल मित्र कक्ष' का सपना अधूरा

तीन साल पहले हुई थी घोषणा, अब तक केवल नागझिरी थाने में ही बना कक्ष- बाकी थानों में योजना फाइलों में सीमित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बच्चों को अपराध की दुनिया से दूर कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से शुरू की गई बाल मित्र कक्ष योजना तीन साल बाद भी पूरी तरह जमीन पर नहीं उतर पाई है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जिले के सभी थानों में ऐसे कक्ष स्थापित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि 13 थानों में से केवल एक नागझिरी थाना ही इस पहल को साकार कर पाया है।

जानकारी के अनुसार, इस योजना का मकसद अपराध की ओर बढ़ रहे या उससे प्रभावित बच्चों को एक सुरक्षित और सहज वातावरण देना था, जहां वे बिना डर पुलिस से अपनी बात साझा कर सकें। लेकिन अधिकांश थानों में अभी तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है, जिससे यह योजना अधूरी नजर आ रही है। बताया गया है कि बाल मित्र कक्ष में पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में रहकर बच्चों से संवाद करते हैं, ताकि वे सहज महसूस करें। यहां बच्चों के लिए काउंसलिंग की व्यवस्था के साथ-साथ खेलने के खिलौने और पढ़ाई के लिए किताबें भी उपलब्ध कराई जानी थीं। साथ ही बाल कल्याण समिति का कार्यालय भी यहीं संचालित करने की योजना थी, लेकिन यह व्यवस्था भी अधिकांश स्थानों पर लागू नहीं हो सकी है।

नागझिरी थाना बना मिसाल- शहर में केवल नागझिरी थाना ऐसा है, जहां बाल मित्र कक्ष स्थापित कर बच्चों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया गया है। यहां बच्चे बिना भय के पुलिस से बातचीत करते हैं और अपनी समस्याएं साझा करते हैं। इस कक्ष में ऐसे बच्चों को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया जा रहा है, जो किसी न किसी रूप में अपराध से जुड़े रहे हैं या जोखिम में हैं।

कक्ष में दीवारों पर जागरूकता से जुड़े पोस्टर लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से डायल 100, 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 1090 जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी दी जा रही है। इससे बच्चों और उनके अभिभावकों में जागरूकता भी बढ़ रही है।

योजना पर उठ रहे सवाल- शहर में लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं और नाबालिगों की संलिप्तता को देखते हुए इस योजना की उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। बावजूद इसके, अधिकांश थानों में इसकी शुरुआत न होना पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। अब जरूरत इस बात की है कि पुलिस विभाग इस महत्वाकांक्षी योजना को गंभीरता से लेते हुए सभी थानों में बाल मित्र कक्ष स्थापित करे, ताकि बच्चों को अपराध से दूर रखने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

स्वरांजलि द्वारा कालजयी गीतों की प्रस्तुति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लेकर हम दिवाना दिल, ओ हसीना जुल्फों वाली, इतना तो याद, आसमां के नीचे, अरे यार मेरी तुम भी जैसे हिंदी फिल्मों के कालजयी गीत अभिरंग नाट्य गृह में प्रस्तुत किये गये। अवसर था, स्वरांजलि द्वारा मजरूह सुल्तानपुरी और आनंद बक्षी के अमर गीतों से सजी शाम का। संस्था अध्यक्ष राजेश जोशी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ राकेश दुबे द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। ममता शर्मा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम की परिकल्पना नितिन पोल की थी। कार्यक्रम में राजेश जोशी, राजेश सोहनी, लखन जागीरदार, मंगेश जोशी, संजय गंधे, अक्षय माहेश्वरी, पी. मधु, दिलीप नामदेव, रवि शर्मा, अनिता जोशी, माधुरी मेहता, वंदना दुबे, सुप्रिया बोथरा, प्रेरणा सोहनी, माधवी जोशी, प्रियंका पांडे, राधा मेहता, रीमा मधु, मोहिनी नामदेव ने सुमधुर प्रस्तुति से श्रोताओं को प्रभावित किया।

18 घंटे में चार लोगों ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार शुक्रवार के बीच 18 घंटे में चार लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। चारों के शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कराए गए। फिलहाल किसी भी मामले में आत्महत्या करने का करण सामने नहीं आया है लेकिन माना जा रहा है कि तनाव और आर्थिक परेशानी के चलते चारों ने मौत को गले लगाया है।

भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम परोलिया झाली में शुक्रवार सुबह मेहरबान पिता लक्ष्मण 42 साल अपने ही खेत में पेड़ पर रस्सी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। पुलिस के साथ परिजन खेत पर पहुंचे। मेहरबान का शव फंदे से नीचे उतरा गया। परिजनों ने बताया कि तड़के खेत पर जाने का बोलकर निकले थे। रात तक सब कुछ ठीक था मेहरबान ने ऐसा कदम क्यों उठाया इसकी वजह

स्पष्ट नहीं है। इससे पहले तड़के 4-30 बजे एकता नगर नीलगंगा थाना क्षेत्र में 65 साल की लीलाबाई पति परशुराम रायकवार ने दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। बेटी पिंकी कमरे में पहुंची तो उसने मां को लटका देखा। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची प्रारंभिक जांच में सामने आया कि लीलाबाई घरों में साफ सफाई का काम करती थी और बेटी के साथ ही रहती थी।

रात में दरवाजा बंद कर लगाई फांसी

गुरुवार-शुक्रवार रात पान बिहार चौकी क्षेत्र के ग्राम कागदी कराडिया में रहने वाला टीकम पिता भागीरथ 35 वर्ष में भी कमरे का दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। देर रात तक दरवाजा नहीं खुलने पर मां सोरम बाई पुत्र टीकम को खाना खाने के लिए बुलाने पहुंची तो घटना सामने आई। दरवाजा तोड़कर टीकम को नीचे उतर गया। परिजनों ने बताया कि रात में शराब पीकर घर लौटा था। इससे पहले गुरुवार को कोतवाली थाना क्षेत्र के निजातपुरा में रहने वाले प्रभु पिता अंबाराम 50 वर्ष ने फांसी लगा ली थी। आसपास के लोगों ने उसे देखा तो पुलिस को सूचना दी। घटना के समय प्रभु घर में अकेला था पत्नी और बच्चे शादी में शामिल होने के लिए शहर से बाहर गए हुए थे। प्रभु शराब पीने का आदी था संभवत नशे में उसने आत्महत्या की है।

महाकाल मंदिर में प्रसाद व्यवस्था होगी हाईटेक

रोजाना 100 क्विंटल लड्डू बनाने की तैयारी - 40 करोड़ की आधुनिक यूनिट से बढ़ेगी क्षमता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदिर समिति द्वारा करीब 40 करोड़ रुपए की लागत से हाईटेक लड्डू निर्माण यूनिट स्थापित की जा रही है। इस यूनिट के शुरू होने के बाद रोजाना लगभग 100 क्विंटल लड्डू प्रसाद तैयार किया जा सकेगा, जिससे बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार मांग पूरी हो सकेगी।

उल्लेखनीय है कि अभी तक मंदिर में लड्डू प्रसाद का निर्माण पारंपरिक तरीके से किया जाता है। सीमित संसाधनों के कारण प्रतिदिन करीब 40 से 50 क्विंटल उत्पादन ही संभव हो पाता है। विशेष अवसरों और त्योहारों पर यह मांग 100 क्विंटल से भी अधिक पहुंच जाती है, जिससे कई बार श्रद्धालुओं को प्रसाद नहीं मिल पाता। प्रस्तावित हाईटेक यूनिट शुरू होने के बाद उत्पादन क्षमता दोगुनी हो जाएगी। आधुनिक मशीनों के माध्यम से बेसन भूनने से लेकर लड्डू तैयार करने तक की पूरी प्रक्रिया स्वचालित होगी। इससे समय की बचत के साथ उत्पादन भी तेजी से बढ़ेगा और सभी श्रद्धालुओं को पर्याप्त प्रसाद मिल सकेगा। मंदिर समिति ने इस परियोजना में गुणवत्ता और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। केवल शुद्ध और प्रमाणित कच्चे माल का ही उपयोग किया जाएगा। यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी या लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित एजेंसी पर कड़ी कार्रवाई के साथ भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा।

आधुनिक भवन में होगी स्थापना - यह हाईटेक यूनिट मंदिर परिसर स्थित अन्न क्षेत्र के समीप बनाए जा रहे एक आधुनिक भवन में स्थापित की जाएगी। इसमें बेसमेंट, ग्राउंड और प्रथम तल पर मशीनें लगाई जाएंगी। यहां तैयार होने वाला प्रसाद केवल मंदिर समिति द्वारा ही वितरित किया जाएगा, बाजार में इसकी बिक्री की अनुमति नहीं होगी।

मिर्ची झोंककर भाई ने किया कुल्हाड़ी से हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिव्यांग भाई ने अपने छोटे भाई की आंख में मिर्ची झोंकने के बाद कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। छोटा भाई गंभीर घायल हुआ है। पिता उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। घटना के बाद पुलिस ने हमला करने वाले दिव्यांग की तलाश शुरू की है। घट्टिया तहसील के ग्राम नजरपुर में रहने वाला सोहन पिता प्रेमलाल दाहिमा ड्रायवरी करता है। जिसे रात में लहूलुहान हालत में पिता चरक अस्पताल लेकर पहुंचे थे। पिता ने बताया कि सोहन पर उसके बड़े भाई जितेन्द्र ने आंख में मिर्ची झोंकने के बाद कुल्हाड़ी से हमला किया है। जितेन्द्र दोनों पैरों से दिव्यांग है और कृत्रिम पैरों की मदद से चलता है। पिता का कहना था कि उनका एक मकान है। जिसमें सोहन के साथ रहते हैं। जितेन्द्र अलग मकान में रहता है। कुछ समय से वह मकान में हिस्सा देने की बात पर विवाद कर रहा है। रात में उसने घर आकर सोहन पर हमला किया है। मामले की । जानकारी लगने पर पुलिस नजरपुर पहुंची थी लेकिन पिता घायल पुत्र को लेकर अस्पताल आ गए थे। पुलिस द्वारा हमलावर भाई की तलाश शुरू की गई है वहीं घायल के बयान दर्ज किए गए हैं।

कुपोषित बच्चों को चिन्हित करने में महिला बाल विकास विभाग में बड़ी लापरवाही

कलेक्टर हुए बेहद नाराज-13 बाल विकास परियोजना अधिकारियों की दो-दो वेतन वृद्धि रोकी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला पोषण समिति की बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह का गुस्सा फूट पड़ा। काम में लापरवाही पर वह खासे नाराज हुए और स्वास्थ्य विभाग के अफसरों को वेतन काटने से लेकर निलंबन तक की चेतावनी दे दी। सिंह ने कहा कि फील्ड में रहिए। बैठक में बच्चों के रिकवरी दर कम होने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और एक पर्यवेक्षक को सस्पेंड कर दिया है, जिला समन्वयक की सेवा समाप्त कर दी है और 13 बाल विकास परियोजना अधिकारियों की दो-दो वेतन वृद्धि रोकी गई है।

स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के एएनसी पोर्टल के अपलोड डेटा में भिन्नता मिलने पर कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास विभाग में तालमेल की समझाइश दी। गर्भवती महिलाओं की संख्या की समीक्षा के दौरान बडनगर सीडीपीओ

सक्रिय प्रसूति की संख्या और गर्भवती महिलाओं का ब्योरा नहीं दे सकें।

सीडीपीओ/बीएमओ को निलंबन की चेतावनी- इस पर नाराजगी जताते हुए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। कलेक्टर ने कहा यदि सीडीपीओ/बीएमओ सही कार्य नहीं करते है तो निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी से कहा कि समस्त सीडीपीओ व सुपरवाइजर रोजाना सुबह 8 बजे रेंडमली आंगनवाड़ी केंद्रों पर उपस्थित रहें और उसकी रिपोर्ट तत्काल प्रेषित करें। सभी एसडीएम भी यह सुनिश्चित करेंगे कि जिला कार्यक्रम अधिकारी और विभाग के अन्य अधिकारी आंगनवाड़ी केंद्रों पर आ रहे है अथवा नहीं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की संपर्क एप पर उपस्थिति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अनुपस्थित कार्यकर्ताओं का वेतन काटने के निर्देश दिए। पीएम मातृ वंदना योजना में केंद्रों में दर्ज गर्भवती महिलाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि इनकी शत-प्रतिशत जानकारी अनमोल पोर्टल पर दर्ज की जाए यह केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इसमें कोई कोताही ना बरती जाए।

एनीमिक प्रबंधन कमजोर - गर्भवती महिलाओं की एएनसी कवरेज की समीक्षा के दौरान सीवीयर एनीमिक गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन का प्रतिशत कम मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और इसे शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा सभी प्रसूतियां संस्थागत होनी चाहिए। इसकी जिम्मेदारी बीएमओ की होगी।

पर्यवेक्षक सस्पेंड जिला समन्वयक की सेवा समाप्त - जिला स्वास्थ्य समिति व पोषण समिति की बैठक से अनुपस्थित पर्यवेक्षक प्रीति श्रीवास्तव को सस्पेंड कर दिया गया है। जबकि जिला समन्वयक रोहित हिरवे की सेवा समाप्त करने का नोटिस जारी किया गया है। 13 बाल विकास परियोजना अधिकारियों की दो-दो वेतन वृद्धि रोकी गई है। इनमें अर्चना दलाल, प्रीति कटारा, रीना सोलंकी, नीलम सेठिया, अनुपमा मंडावी, मनोज जाट, मुकेश वर्मा, प्रियंका जायसवाल, ज्योत्सना दीक्षित, सुलोचना सैनी पर्यवेक्षक, प्रीति श्रीवास्तव, प्रेमलता ठाकुर, हितेश कुंवर पर्यवेक्षक के नाम शामिल हैं।

कलालखेड़ी में नवीन चेक डैम एवं नाला ट्रेंचिंग निर्माण कार्य पूरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत पासलोद के अंतर्गत ग्राम कलालखेड़ी में मनरेगा के तहत एक महत्वपूर्ण जल संरक्षण कार्य पूर्ण हो गया है। 11.6 लाख रुपए की स्वीकृत राशि से निर्मित नवीन चेक डैम एवं नाला ट्रेंचिंग कार्य अब गांव के किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इसकी वाटर स्टोरेज कैपेसिटी 6000 घन मीटर है। इसका मुख्य उद्देश्य वर्षा जल संचयन, भूजल संवर्धन एवं सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है। इस चेक डैम के निर्माण से न केवल मानसून का पानी रोका जा सकेगा, बल्कि आस-पास की भूमि की नमी बनी रहेगी। इससे लगभग 40 किसानों को अपनी खेतों की सिंचाई के लिए विश्वसनीय जल स्रोत उपलब्ध हो गया है। साथ ही गांव में नलजल योजना के अंतर्गत बने बोरवेलों का रिचार्ज भी सुनिश्चित होगा।

पार्किंग के लिए जरूरी है अधिक जगह हो और मेला व घाट तक न्यूतम पैदल दूरी तय करना पडे़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 महापर्व के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए पार्किंग प्लानिंग एवं यातायात प्रबंधन के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह, एडीजी श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन तथा प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के साथ ही पार्किंग से मेला क्षेत्र तक पहुंचने के लिए न्यूनतम पैदल दूरी तय करना पड़ें इस तरह की विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सिंहस्थ 2028 के दौरान पार्किंग की व्यवस्था का प्लान तैयार करने वाले अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी पार्किंग व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों को न्यूनतम पैदल दूरी तय करनी पड़े। इसके लिए मेला क्षेत्र के आसपास उपयुक्त स्थानों का चिन्हांकन कर व्यवस्थित एवं पर्याप्त क्षमता वाली पार्किंग विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में यातायात के सुचारू संचालन के लिए ट्रैफिक सर्कुलेशन प्लान को वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित ढंग से तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि अप्रिय स्तिथि उत्पन्न न हो तथा आपातकालीन सेवाओं का आवागमन निर्बाध रूप से बना रहे। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि पार्किंग स्थलों से मेला क्षेत्र तक श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए बसों के संचालन, रूट प्लानिंग, आवृत्ति एवं ठहराव स्थलों का निर्धारण इस प्रकार किया जाए कि यात्रियों को अधिकतम सुविधा प्राप्त हो तथा समय की बचत हो।

बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सिंहस्थ महापर्व के लिए कार्य करने वाले सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पार्किंग एवं परिवहन व्यवस्था को समयबद्ध तरीके से अंतिम रूप दें, जिससे सिंहस्थ 2028 के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को एक सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित अनुभव प्रदान किया जा सके।